भजन सूचि

1. यीशु अहींक शरण मे 10
2. हमरा भटकल के 11
3. स्वर्ग सँ आह्वान केलनि 12
4. सब विश्वासी मिलि कऽ 13
5. यीशु जनमला मुक्ति देवला 14
6. यीशु (यौ) कोना–कोना कऽ 15
7. आजुक नवदिन करैत छी 16
8. गे बहिना प्रभु नगरिया 17
9. यीशु मसीह परमेश्वर के 18
10. पागल कहेला ना रे लोगवा 18
11. बर रे जतन सँ हम यीशु 19
12. प्रभु यीशु छैथ महान गे बहिना 20
13. दिन राति अहाँके दर्शन 21
14. छुटि जायत माइ बाप 21
15. एहन सुन्दर नहि कोनो नाम 22
16. सुनु यौ भैया सुनु यौ बहिनीयाँ 23
17. हमर अवगुण प्रभु अहाँ 23
18. सबमे प्रभु के रुप तु देखऽ 24

19. सुन हो भैया सुनहे बहिना 25
20. सबहक सुधि अहाँ लय छी..... 25
21. सुनु हमर इ दुःखरा प्रभु जी 26
22. झुमु नाचु, गाउ नाचु..... 27
23. आराधना करु यीशु मसीह के 27
24. नाचु गाउ -३ यीशु कैँ नाम सँ 28
25. दान भजन मैँ लागु हे बहिना 29
26. देखियौ यीशु के महिमा..... 30
27. लागलै भ्रम के हावा..... 30
28. महिमा – महिमा यीशु के महिमा..... 31
29. यीशु मसीह सँ बढ़ि कऽ 32
30. सुनु यौ भाइ सुनु यौ बहिनीयाँ..... 32
31. अनमोल जीनगी दऽ देलियै यौ यीशु..... 33
32. यीशु करय छथि उद्धार यौ आबु 34
33. प्रभु यौ धरतीके माटि से 34
34. आय करु यीशु गान..... 35
35. की करबै दुनिया सँ पिरितीया 36
36. बचबियौ– बचबियौ यौ प्रभु जी 37
37. गुरु भऽ के अहाँ के हम..... 38
38. सुनि लिअ प्रभुजी..... 39

39. माताजी यौ, पिताजी यौ..... 40
40. हम अपराधी, पाप के चलते 40
41. आईल मरियम के गोदमे 41
42. दया प्रेम के बढ़ा के 42
43. सुन हे परदेशी भाइ 43
44. स्वर्गमे सोचेला परमेश्वर हो 44
45. हे पवित्र आत्मा, हमरा मन मे समाउ 45
46. आनन्द मनाउ, सभ 45
47. पाप सँ भरल जीवन 46
48. वन्दना करैछी, वन्दना करैछी..... 47
49. हे परमेश्वर, हे यीशु राजा 48
50. दशेटा नियम छै, नियम दशेटा 49
51. छोड़ू ओ मिथ्या रीत यौ – बन्दे 50
52. भेल मगन मन मोर..... 51
53. आराधना – ३ करु सभ मिली कऽ..... 52
54. आय करु यीशु गान 53
55. कतेक महान हमर यीशु जी 54
56. यीशु जी कहलन्हि..... 55
57. बचबियौ यौ यीशु जी..... 56

58. यीशु हे यौ यीशु..... 57
59. यीशु के महिमा 58
60. हे पवित्र आत्मा 59
61. दुनिया मे अयलाह..... 60
62. विनती करैछी यीशु..... 60
63. एक दिन जयबै यीशु घरमे..... 61
64. आराधना हो बे आराधना..... 62
65. हे यौ मिथिलाक लोक 63
66. एक दिन जेबै यीशु संगे 64
67. यीशु अएला गाम 65
68. दऽ देलिए..... 65
69. सुनु भाइ बहिन इ मधुर वचन..... 66
70. अबियौ यौ... भाइ – बहिन 66
71. यीशु आँहा बिनु हम 67
72. हे पिता, अपन नामक महिमा करियौ 68
73. सुनारे तन दिअ, सुनारे मन दिय 68
74. सभ मिली प्रभुके गुन गाउ यौ..... 69
75. हे प्रभु जगत स्वर्ग के करैछी..... 70
76. हे यौ - २ बौवा सुनु 71
77. करु प्रशंसा गाउ भजन 71

78. सभसँ छी अपने महान यौ यीशु 72
79. हे प्रभु यीशु परमपिता 73
80. प्रभु आँहाके स्तुति करैछी..... 73
81. केमरिया खोल ए यीशु 74
82. प्रभु के भजन स्वर्ग से आएल 75
83. प्रभुजी महिमा तोहार बा..... 75
84. यीशु नेहाय हो प्रभु नेहाय हो 76
85. जंगल झाड़ी मे 77
86. तोहरे पर कैले छी भरोसा 77
87. अहींक अराधना करी..... 78
88. जागैत रहु, करु प्रार्थना 79
89. नहि करु भाइ मन–मानी यौ..... 80
90. मनवारे हो, हो, हो, हो..... 81
91. अइली सरनीया तोहार हो..... 81
92. प्रभु यीशु के भजन..... 82
93. यीशु छथि भगवान 83
94. भोरे-भोरे स्तुति बलि 84
95. मत करु इन्कार यौ 85
96. धन्यवाद प्रभु यीशु 86
97. ज्योति संसार कँ..... 87

98. परमेश्वर यीशु प्रभु..... 88

99. यीशु अहाँक नाम..... 89

100. .....यी
शुजी हमरा छोड़ौने छथि..... 90

101. .....आ
वाज उठायब हम..... 91

102. .....ह
मर गीत कैं विषय 92

103. .....कि
छु ना रहत..... 93

104. .....ह
म छी निर्बल दुखिया 94

105. .....आ
बि स्वर्गदूत कहलैन..... 95

106. .....अ
हीं पर आस लागल अछि हमरा 96

107. .....ह
मर यीशु मसीह 97

108. .....ज
य जय प्रभु यीशु कैं..... 98

109. .....खु
शी खुशी मनाउ 99

110. .....हा
... हा ... हालेलुयाह सभ मिलि गाबी..... 99
111. .....यी
शु छथि दुनियाँ कैँ राजा..... 100
112. .....हे
यौ सभ लोग..... 101
113. .....प्र
भुजी अयलहुँ अहाँ कैँ शरण मे..... 102
114. .....सु
नि कऽ अरजी औ प्रभु..... 103
115. .....आ
नन्द भेल भाइ 104
116. .....भ
व सागर सँ करु पार..... 105
117. .....ब
दलल कोना जीवन यौ 106
118. .....र
चलहुँ-रचलहुँ..... 107
119. .....क्रू
सधारी किएक कहेलहुँ 108
120. .....यी
शु जीबि उठलाह 109

121. .....न
हि करु भाइ मन-मानी औ 110
122. .....की
करब कौड़ी-कौड़ी 111
123. .....अ
पना कैं लिअऽ अहाँ जानि औ 112
124. .....यी
शुजी कहलैन्ह 113
125. .....आ
नन्द खुशी सँ गबियौ 114
126. .....जी
वनक दीप, जीवनक बाती 115
127. .....हा
ल्लेलुयाह स्तुति महिमा 116
128. .....ध
न्य होई प्रभु यीशु के नाम 116
129. .....जी
बैत छथि यीशु जीबैत छथि 117
130. .....ने
तऽ बल सँ, ने शक्ति सँ 117
131. .....स्तु
ति करै छी पुरे जीवन सँ 118

132. .....ए
कटा नारी आबि गेलै..... 118

133. .....साँ
झ-भोरे भजियौ..... 119

134. .....पा
पी छलौं निराश छलौं 120

135. .....यी
शु मसीह कैं स्तुति करियौ 121

136. .....हो
यीशु के दर्शन लेल 122

137. .....हो
यीशु काहे न तकेछा..... 123

138. .....भ
जन सूचि..... 124

(१)
यीशु अहींक शरण मे

गोपाल कृष्ण

यीशु अहींक शरण मे आबि नेहाल भऽ गेलौं ।
नेहाल भऽ गेलौं यौ अहाँ कमाल कऽ देऔं ।
यीशु अहींक शरण ....

१. जहिया सँ प्रभु अहाँ कें धेयलौं, सुख शान्ति सब पयलौं – २
अनन्त जीवन अहीं मे पैयलौं– २, पुत्र अपन बनेलौ यौ।
नेहाल कऽ देलौं । यीशु .....

२. अहाँ सन के हेता प्रभु जी क्रूस पर जान ओ देता।
जगत उद्धार करय लेल प्रभु जी अपन लहू बहौलौं यौ,
नेहाल कऽ देलौ । यीशु .....

३. किचर सँ निकाइल प्रभु जी नया जीवन देलौं यौ,
पाप क्षमा कऽ यीशु हमरा अपन पुत्र बनौलौं
अन्धकार सब दूर कऽ के, जीवन ज्योति देलौं यौ,
नेहाल कऽ देलौं । यीशु...

४. जगत कल्याण करैय लेल यीशु, धरती पर अहाँ एलियै,
अन्धा के अहाँ आँखि देलियै, बहिरा केक शब्द सुनौलियै
बाझिन कैं अहाँ पुत्र दऽ कऽ, लंगड़ाके चलौलियै यौ,
नेहाल कऽ देलौं । यीशु...

□□□

(२)
हमरा भटकल के

नरेश पासवान

को– हमरा भटकल के प्रभुजी अहाँ चाँद
बनबली हम छी पापी भटकल राही
पाप सँ हमरा बचबली... २

१. करै छी प्रशंसा औ यीशु जी अहाँके ...
अहाँ प्रभु जी... हमरो सुनु - २
हम छली पापमे जकरल मानव
हमरा अन्दरके आत्मा छै ल मरल - २
अहाँ प्रभु जी हमरा बचबली
पापके बोझ यीशु जी अहाँ उठबली
करै छी प्रशंसा यौ यीशु जी अहाँके...

२. आकाश मे चाँद तारा गुन
अहाँ के गबैअ पंछी परमेश्वर अहाँ के प्रार्थना
करैया झर-झर हावामे सेहो गुण गान
अहाँ के प्रभुजी यहोवा कहैय...
करै छी प्रशंसा औ यीशु जी अहाँके
अहाँ प्रभुजी हमरो सुनु...

□□□

(३)
स्वर्ग सँ आह्वान केलनि

को– स्वर्ग सँ आह्वान केलनि यूसुफ प्रमेश्वर पिता - २
मरियम कोखि जन्म लेथिन यीशु मुक्तिदाता - २
यीशु ससार सँ पाप के भगाक उ सबके मुक्तिदान देतै

१. स्वर्ग दुत कहे सुनु यौ यूसुफ बाबा - २
बारह बजे के राति मे यीशु गाइ के गोठमे जन्मतै - २
सबस पहिले गाइ चरबाहवा इशु के दर्शन करतै
यीशु संसार स पाप के भगाक उ सबके मुक्ति दान देतै...

२. स्वर्ग दुत कहे सुनु यूसुफ बाबा ओ बालक छै मुक्तिदाता,
ओ छै भाग्य विधाता ओ छै शान्तिदाता,
ओ छै स्वर्गक राजा
यीशु संसार सँ पापके भगा कऽ सबके मुक्तिदान देत...

□□□

(४)

सब विश्वासी मिलि कऽ

को– सब विश्वासी मिलि कऽ कैली हम प्रार्थना कि आइए
एथुन यीशु हमरा अंगना से आइ ए एथुन ना

१. मनक बात हम यीशु जी सँ कहबै मुक्ति के
दान यीशु जी सँ मंगबै से यीशु छथिन - २
मुक्तिदाता से आइ के एथुन

२. सृष्टि के पाप देख परमेश्वर पिता सोचलखिन
एकलौता पुत्र आपना यीशु के पठौलखिन - २
से यीशु छथिन मुक्तिदाता से सव के लेल यीशु
एथुन हमरा अंगना सब के लेल

३. हमरा ला अयलाह यीशु, हमरा ला जिलाह, हमरा
लेल यीशु सूलीपर चढ़लाह सभके लेल
यीशु सूली पर चैढ़ गेलाह, यीशु एथीन हमरा अंगना

□□□

(५)

यीशु जनमला मुक्ति देवला

को– यीशु जनमला मुक्ति देवला - २
बाबु भैया यौ पाप सँ छुटकारा देवला
दिदी बहिन यौ पाप सँ छुटकारा देवला

१. संसारमे कतेक देवता पुजली यौ - २
आखिरमे कतौ शान्ति नै पेली यौ
दिदी अहाँके यीशु आइल शान्ति देवला - २

२. ई जीवन एक दिन तऽ मरतै यौ - २
आत्मा अहाँके नरकमे जैतै यौ
साथी अहाँ के यीशु अयलाह उद्धार करला - २

३. शरीरमे भक सम्भु यौ प्रभु के - २
नैह तऽ जीवन व्यर्थमे जेतै यौ
विश्वासी सबके यीशु अयलाह स्वर्गमे लऽ जायला - २

४. भैया अहाँके पापसँ छुटकारा देवला - २
दिदी अहाँके यीशु अयलाह शान्ति देवला
साथी अहाँके यीशु अयलाह उद्धार करला
विश्वासी सबके यीशु अयलाह स्वर्गमे लऽ जायला

□□□

(६)

यीशु (यौ) कोना–कोना कऽ

राम कुमार यादव

यीशु (यौ) कोना–कोना कऽ क्रूसक
दुःख वा सहलियै यौ अनन्त जीवन देलियै यौ ना (२)

१. जखन हम छलौं पाप सँ जकड़ल अहाँ स्वर्गक महिमा तजलौं(२)
अहाँ दुनिया मे आबि कऽ पाप सँ मुक्ति दियौलियै यौ,
अनन्त जीवन देलियै यौ ना । यीशु .....

२. छलौं राह जखन भुतलायल, देलियै वचनक दीप जलाय, (२)
अहाँ मार्ग, सत्य आ जीवन बनि कऽ अयलियै यौ,
शान्तिकजीवन देलियै यौ न । यीशु .....

३. छलौं दुःख मे जखन उदास, अपन वचन सँ देलियै आस,(२)
अपन लहू बहा कऽ प्रेम महान देखौलियै यौ,
मृत्यु सँ हमरा बचयलियै यौ ना । यीशु .....

□□□

(७)

प्रदीप झा

आजुक नवदिन करैत छी

१. आजुक नवदिन करैत छी, प्रार्थना, दिअ प्रभु वरदान यौ।(२)
सभके अहाँ देनिहार प्रभुजी, हमरो दिअ बुद्धि–ज्ञान यौ।।(२)

२. ई मिथिलामे मैथिल भऽ, दऽ सकी एहन पहचान यौ ।(२)
जकर अहाँ छी अपन प्रभु, नहि परदेशी केओ आन यौ।।(२)

३. ई मिथिला प्रभु अहाँके चिन्हय, जकरा लेल देलहुँ प्राण यौ(२)
ओहि मिथिलाक अंग बनि हमहुँ, करैत छी आदर–मानयौ।।(२)

४. अहीं मे समर्पण हमर जीवन, अहींक देल वरदान यौं ।
अहींक बचाओल हमर जीवन, अहीं के दैत छी बलिदान यौ ।।

५. हमरा पर प्रभु कृपा करु, बनि सकी अहींक समान यौ ।
अहीं मे छिपल जीवनक अर्थ, बिनु अहाँ नहि कुनो मान यौ।।

□□□

(८)

राम सागर

गे बहिना प्रभु नगरिया

को– गे बहिना प्रभु नगरिया ना,चल चल गे बहिना
प्रभु नगरीया प्रभु सोर करैय छै ना

१. प्रभु नगरमे जे कियो गेलै आनन्द पेलकै ना
एहन सुख तो कहियो नहि पैयवा दरदर भटकवा ना
गे बहिना ...

२. जे कियो गेलै प्रभु नगरमे खुसी के पैलकै ना
दुःख चिन्ता छोड़ि के बहिना मुक्तिके पेलकै ना
गे बहिना ...

३. तोरा खातीर प्रभु यीशु जी क्रूस पर चढ़लै ना
खून बहेलकै जान वो देलकै सबके बचेलकै ना
गे बहिना ...

□□□

(९)

यीशु मसीह परमेश्वर के

को– यीशु मसीह परमेश्वर के लोगबा किया नहि जानै ना
किया नया जानै ना हो भइया किया नहि जानै ना

१. चोरी चकारी के नाय जानै और जानै बइमानी यौ
सबकुछ अहाँके यीशु छोड़ौता २ यीशुके अहाँ अपनाउ ना लोगवा.

२. ईंटा, पेड़ के पुजानाइ जानै और जानै सैतानी यौ
सबकुछ अहाँके यीशु छोड़ौता २ यीशु के अहाँ मानु कि लोगवा ...

३. झगड़ा, झाँटी कयनाइ जानै और बनहि झगड़ालु यौ
सबकुछ अहाँके यीशु छोड़ौता यीशु के अहाँ मानु कि लोगवा ...

□□□

(१०)

पागल कहेला ना रे लोगवा

को– पागल कहेला ना रे लोगवा पागल कहेला ना
हम त यीशु मसीह के सेवक रे लोगवा पागल कहेला ना

१. जड़ी बुटी एको ना खेबै ना हम वैद्य बोलेबै यौ
पिता परमेश्वर वैद्य बनल छैथ हुनके मे नबन देखेबै यौ

२. जंगल झारके हम नै पुजबै ना हम वृक्षके पुजबै यौ
पात पात मे यीशु बिराजै झुकि – झुकि प्रार्थना करबै यौ

३. तीर्थ मथुरा हम नहि जयबै ना हम गंगा नेहेबै यौ
प्रभु चरणमे गंगा बहै छै चुभक चुभक नेहेबै यौ

□□□

(११)

बर रे जतन सँ हम यीशु

को– बर रे जतन सँ हम यीशु मसीहके जनलौ,
हम यीशु मसीहके जनलौ
यीशु मसीह करै छैथ भलाइ
जानि लियौ बुझि लियौ दुनियाके सब लोक सब दुनियाँ के,–२
यीशु मसीह भेलाह बलिदान

१. जहिया से हम सब यीशु मसीहके जनलौं,
सबटा दुःख दुर भऽ गेल
कहाँ गेल किया भेलै संग के संघतिया सब
यीशु मसीह करैत छथि उद्धार

२. अबियौ-अबियौ प्रभु के शरनिया, प्रभु के शरनिया
यीशु करताह पापके क्षमा
जानि लियौ बुझि लियौ दुनिया के सब लोग सब
दुनिया के सब लोग सब, यीशु मसीह भेलाह बलिदान

□□□

(१२)

प्रभु यीशु छैथ महान गे बहिना

को– प्रभु यीशु छैथ महान गे बहिना, रखै छैथ सभक ध्यान

१. प्रभु यीशु जी नहिन नगरमे अपन महिमा देखौलनि गे,
अपन महिमा देखौलनि गे
विधवा के एकलौता बेटा के अर्थी पर मरल देखलनि गे,
अर्थी पर मरल देखलनि गे

२. प्रभु यीशु जी नहिन नगरमे अपन महिमा देखौलनि गे,
अपन महिमा देखौलनि गे
विधवा के एकलौता बेटा के अर्थि से जिएलनि गे,
अर्थी पर सँ जिएलनि गे

३. प्रभ यीशु जी सभक पाप अपना पर लादलनि गे,
अपना पर लादलनि गे
क्रूसपर पापी के खातीर अपन प्राण गुमेलनि गे,
अपन प्राण गुमेलनि गे

□□□

(१३)

दिन राति अहाँके दर्शन

को– दिन राति अहाँके दर्शन लेल हम विनती करै छी
अहाँ के महिमा आशिष लेल हम आँसु बहाबै छी

१. प्रभु यीशु हम सुनै छी आँहा बड़ छी दयालु यौ
दु:खिया लाचारक विनती अहाँ झट से सुनै छी

२. कोढ़ी अपाहिज के चंगा अहाँ जे केने छी
विधवाके पुत्रके मृत्यु सँ जिएने छी

३. विनती सुनु प्रभु जी यौ हम दरदर भटकै छी
संसारक सबटा आनन्द अहिमे पाबै छी

□□□

(१४)

छुटि जायत माइ बाप

को– छुटि जायत माइ बाप छुटत नगरिया
कवने जवाव देव यीशु के नगरिया

१. दुनियामे आबिके प्रभु के भुलइल
झुठ कपट में जीन्दगी वितइल
रोज रोज बढैय अहाँके पाप के गठरीया

२. अन्धकारके हाकिम अहाँ सबके डेराबैया
यीशु के वचन से नफरत करबैया
जिनगी मे लगैने छै यौ लोभ के फसरिया

३. माटिके मुरत के सबसे पुजाबै छै
गाछ वृक्षके सामने सबके झुकाबै छै
एक दिन लगाइये देत नरक के फसरिया

४. भाइ और भाइमे सबसे झड़ाबै छै
लोभ और लालचमे सबके फसाबै छै
कोना कऽ जैयबै हमसब स्वर्गके नगरीया

□□□

(१५)

एहन सुन्दर नहि कोनो नाम

को– एहन सुन्दर नहि कोनो नाम यौ भैया
सबसे पावन ए धरती पर यीशु नाम यौ भैया

१. अन्धा के आँइख देलनि कोढ़ियन के काया यौ
बाझीन के पुत्र देलनि निर्धन के माया यौ एहन ...

२. हमरा सब पापक खातीर क्रूसपर जान देलनि यौ
हमरा सबके जान बचा कऽ पापक क्षमा कैलनि यौ एहन ...

□□□

(१६)

सुनु यौ भैया सुनु यौ बहिनीयाँ

को– सुनु यौ भैया सुनु यौ बहिनीयाँ
सुनियौ ध्यान लगाइ के प्रभु यीशु जी
दुनियामे एलन मुक्ति, शान्ति देबै ला

१. खाली एलियै खाली जयबै, दुनियामे सबकुछ छोड़िके
माता पिता आ भाइ–बहिन सब सँ नाता तोड़िके

२. सोचु समझु और विचारु हम अहाँ सब कतऽ छी
स्वर्ग नरक के बात नहि बुझु जीवन हमर केहन छै
यीशु बुलाबै या हमरा सबके जीवन सफल बनाबै ला

□□□

(१७)

हमर अवगुण प्रभु अहाँ

को– हमर अवगुण प्रभु अहाँ दुर करियौ
हम पापी छी कृपा हुजुर करीयौ

१. लालच के रोगसे हम विमार भगेलौ
कुसंगत मे फैसके बेकार भऽगेलौ
भक्तिके दान दऽ के नूरे नूर करियौ

२. मतलब के चार दुनियामे इन्सान भ गेलय

पापी और अत्याचारी इन्सान भ गेलय
मुरख छी हमर माफ हर कसूर करियौ

३. क्रोध काम के मिटाबु सत्य कर्म हम करी
करी सेवा सुमरन और भक्तिके चाकरी
छी दयानीधि अहाँ दया जरुर करियौ

४. घरे मे निज धरके द दियौ अहाँ पता जेकरा
लेल कयलौ तिर्थ व्रत उपबास और कथा
हमरा सबके प्यार अहाँ भरपुर करियौ

□□□

(१८)

सबमे प्रभु के रुप तु देखऽ

को– सबमे प्रभु के रुप तु देखऽ सबसे करीह प्यार
बोल जय जय कार

१. सब छै एक बराबर जगमे नहि बड़ा नहि छोटा
सबके एक नजर स देख तखने भक्ति होयत
दिल से नफरत दुर भगाबऽ सबसे करीह प्यार

२. भक्ति के मतलब की होय छै इ दुनियाँ की जानहि
क्रोध मिटाके क्षमा दयासे प्रभु के तब पहचाने
बिना ज्ञानके भक्ति से खूब होय छै तकरार

□□□

(१९)

सुन हो भैया सुनहे बहिना

को– सुन हो भैया सुनहे बहिना
भजन करब दिन राति हो
तोरा से ज्यादा जनैय छथि प्रभु जी तोहरा दिलके बात हो
हमरा से ज्यादा जानैत छथि प्रभु जी हमरा दिलके बात हो

१. एहन कोनो काम नहि करीह नाम प्रभु के बदनाम जय करीह
हर सेवा और सिरमे उचाँ छै प्रभुजी के हाथ हो

२. जे यीशु के महिमा गाबै छै प्यार प्रभुके भरपुर पाबै छै
यीशु नहि देखय करिया गोरा यीशु नहि जानै उँचा निचा
यीशु जय मानै जाइतो हो

□□□

(२०)

सबहक सुधि अहाँ लय छी

को– सबहक सुधि अहाँ लय छी यौ प्रभु जी
हमरो सुधि अहाँ लय छी यौ

१. सुधि लेलियै अहाँ दानीएल के शेरक मुँह से बचौलियै यौ
सबहक .....

२. सुधि लेलियै अहाँ हना के, शमुयल बेटा देलीयै यौ
सबहक .....

३. सुधि लेलियै अहाँ योना के, माछक पेट सँ निकाललियै यौ
सबहक .....

४. सुधि लेलियै अहाँ हमरा सबके किचरमे से निकाललियै यौ
सबहक .....

□□□

(२१)

सुनु हमर इ दुःखरा प्रभु जी

को– सुनु हमर इ दुःखरा प्रभु जी लोर बहा सुनबै छी यौ
कतेक पापी अधर्मी के तारलौं आंगुर पर गिनबै छी यौ

१. दुःख पिपैत मे धिरज दिय, चिन्ताक बोझ सेहो हैर लिय
कृपा दृष्टि हरदम राखु बेर बेर सुनबै छी यौ

२. अन्हर के अहाँ आँइख देलीयै लंगराके अहाँ टांग यौ
बहिरा के अहाँ कान देलीयै कोढ़ीके अहाँ काया यौ

३. रोगी के निरोग बनेलौ भुखलके भोजन करैलौ यौ
अपने के हम की सुनावी अहाँ देखबै छी जोजन यौ

□□□

(२२)

राम सागर महरा

झुमु नाचु, गाउ नाचु

को: झुमु नाचु, गाउ नाचु २
राजा यीशु, आबि रहल छथि २

१. पापी के हो २
पापी कैँ पाप सँ मुक्त करेला अनन्त जीवन सभ के देबला २
हराएल भुतलाएल भेड़ा कैँ खोजेला २
राजा यीशु, आबि रहल अछि

२. हमरा सभके हो २
हमरा सभके स्वर्गमे स्थान देबला २
हो शैतान के सर्वनाश करेला २
सच्चाई कैँ रास्ता पे चलाबला
राजा यीशु, आबि रहल अछि

□□□

(२३)

राम सागर महरा

आराधना करु यीशु मसीह के

को– आराधना करु यीशु मसीह के २ हुनकर नाम उठाउ २
हुनकर महिमा करु २ सबके पाप क्षमा केलनि २

१. हमरा सभके नया जीवन देलनि २
हमरा सभके पाप लेल मरलाह २
हुनकर आराधना करु जोर सँ २
यीशु द्वारा अनन्त जीवन पैली

२. शैतान सँ हम छुटकारा पैली २
पवित्र यीशु प्रभु के नाम सँ २
बोलु हलेलुयाह सभ जोर सँ २
यीशु सभके मुक्ति लेल मरलाह

□□□

(२४)

राम सागर महरा

नाचु गाउ -३ यीशु कैँ नाम सँ

नाचु गाउ -३ यीशु कैँ नाम सँ -२
हमरा लेल यीशु, अयला धरती पर
हमर पाप क्षमा कयलनि
यीशु के नाममे जय जय -२

१. गुंगा, बहिरा, अन्धा, लंगड़ा
सभके नीक कयलन्हि
अनन्त जीवन कैँ खातिर
हमरा पाप के चुनलनि
यीशु कैँ नाम कैँ जय जय -२ नाचु गाउ -३ यीशु कैँ नाम सँ

२. छुटकारा शैतान सँ पेलौं
यीशु मसीह कैँ नाम सँ
पवित्र आत्मा कैँ अभिषेक सँ
शान्ति पलौं मनमे २
यीशु नाम कैँ जय जय २ नाचु गाउ ३ यीशु कैँ नाम सँ २

□□□

(२५)

रामसेवक

दान भजन मेँ लागु हे बहिना

को– दान भजन मेँ लागु हे बहिना करु अबेरिया ना
ई तन कखनी छुटी हे जायत कोनो खबरिया ना
हे बहिना कोनो खबरिया ना

१. भाइ बन्धु उपर हे गेल संगी सहेलिया ना
अबकि तोहर बारी हे आयत एहि उमरीया ना
हे बहिना एहि उमेरीया ना

२. यीशु मसीहके दूत हे आयत डोलिया सजायत ना
लइये जायत यीशु कहचरीया - २ माया नहि बुझत
ना हे बहिना माया नहि बुझत ना

३. यीशु प्रार्थनामे जौ तु रहब आब दुःख पयब ना
अन्त समय परमेश्वर बचैयत - २ कोइ रखबैया ना

□□□

(२६)

देखियौ यीशु के महिमा

को– देखियौ यीशु के महिमा बड़ छै महान यौ
यीशु के जपबै नाम यौ ना - २

१. यीशु जग मे छै महान करैय छै अद्‌भूत–अद्‌भूत काम - २
हुनकर महिमा के हम - २ करबै बखान यौ यीशु के जपबै .....

२. देलनि आन्हरके ओ आँखि खोललनि बहिरा के वो कान - २
लंगड़ा नाचि नाचि के - २ यीशु के करै गुनगान यौ यीशु के जपबै

३. कैलियौ हमसब बड़ पाप तैलेल यीशु देलनि जान - २
ओ तऽ क्रूसपर चैढ़के - २ भेलाह बलिदान यौ यीशु के जपबै ...

□□□

(२७)

लागलै भ्रम के हावा

को– लागलै भ्रम के हावा गेलौ सब भुइल यौ
माता गरभ प्रभु जी भक्ति कबुल यौ
बाहर आवीके प्रभु जी आँहाके विसरलै
माया के बसमे पैड़ के भेलौ मजबुर यौ लागलै...

१. बालापनमे हमत खेल गैयलौं
चढ़ली जवानी हमत मौज उड़ेलौ
तिरिया के बस मे पैड़ के भेलौ मजबूर यौ

२. यीशु मसीहके प्रार्थना नै कैलौ
साथी संगतिया सबमे पाप कमैलौ
यीशु के नाम सुनि के - २ रहलौं दूर–दूर यौ

३. यीशु मसीहके रोज प्रार्थना करैछी
परमात्माके हम आत्मा मे रखैछी
आत्मा मे राखिके प्रभु जी कहियौ नहि बिसरबै यौ

□□□

(२८)

महिमा – महिमा यीशु के महिमा

को– महिमा – महिमा यीशु के महिमा
यीशु के महिमा सब दिन करबै जीवन सफल बनैबै यौ

१. शैतानके छोड़ि यीशु लग एलौ
हरदम यीशु लग रहबै यौ
पाप छोड़ि हम पवित्र बनलौ पवित्र बनल रहबै यौ महिमा .....

२. अबगुन छोड़ि हम सद्गुन पैयलौ
हरदम सदगुन बढ़ेबै यौ
अन्हार छोड़ि हम इजोत लग अइलौ
हरदम इजोतमे रहबै यौ महिमा ...

□□□

(२९)

यीशु मसीह सँ बढ़ि कऽ

को – यीशु मसीह सँ बढ़ि कऽ और कियो नै छैथ
उ अभगला छै जे यीशु के नै मानै छै

१. यीशु से स्नेह जे कियौ लगाबै छै
ओकरा स्वर्ग राज भेट जाइ छै
प्रभु आशिष से बढ़ि के दवाइ नै छै उ अभगला ...

२. कतेक प्रेम हमरा सबसँ यीशु मसीह कैलनि
हमरा सब के खातीर अपन प्राण देलनि
प्रभु सेवा से बढ़ि के सेवकाइ नै छै, उ अभगला ...

□□□

(३०)

सुनु यौ भाइ सुनु यौ बहिनीयाँ

को– सुनु यौ भाइ सुनु यौ बहिनीयाँ
सुनु चुनमुनीया, सुनु बजनियाँ
यीशु छैथ केहन महान यौ
सब कोइ मिलके ताली बजाबु और भजु यीशु के नाम यौ

१. मंगलकारी यीशु राजा, पावन हुनकर नाम यौ
न्याय तराजु हाथमे हुनका - २ महिमा अपरम पार यौ

२. पापी हृदय लहू सँ धोबु, दुःख चिन्ता के मन सँ हटाबु
अपन बोझ क्रूस पर डालु - २ और लिय यीशु के नाम यौ

३. सागर समुन्द्र हुनका सँ भरल, अथाह भरल छै प्यार यौ

□□□

(३१)

अनमोल जीनगी दऽ देलियै यौ यीशु

को– अनमोल जीनगी दऽ देलियै यौ यीशु
खुशी और शान्तिदऽ देलियै यौ यीशु

१. पाप आ दुःख सँ व्याकुल छलै जखन
मृत्युके आसमे जिबैत छलौं जखन
हमरा बदलामे प्राण दऽ देलियै यौ यीशु अनमोल ...

२. हे यौ आँहा सबलोग यीशु लग आबु
पाप आ अधर्म सँ मन आँहा फिराबु
यीशु के लहू सँ शुद्ध अहाँ भऽ जाउ अनमोल ...

३. अहाँके उपकार यीशु कखनो नहि विसरब
दुःख आ संकट मे हम गायब यौ यीशु
सभ दिन अहाँके हम भजन करब यौ यीशु अनमोल ...

□□□

(३२)

यीशु करय छथि उद्धार यौ आबु

को– यीशु करय छथि उद्धार यौ आबु यीशु के शरनिया
यीशु के शरनिया आबु यीशु के शरनिया २

१. दुनियाँ मे रहिके पाप कमइली
पापे मे जीवन खुब वितैइली
कोनाके हयतै उद्धार यौ आबु यीशु के शरनिया

२. दुनिया मे रहिके पत्थर के पुजली,
पत्थरके जैसन आत्मा के कइली
पत्थरमे नहि छै कुछो ज्ञान हो आबु यीशु के शरनीया

३. अहाँके यीशु आय बोलबैय अहींके खातीर क्रूस उठाबै
आबहु त छोड़ू गलत काम यौ आबु यीशु शरनियाँ

४. दुनियामे रहिके खूब काम केलनि
आन्हरके आँखि देलनि मुर्दाके जीयौलनि

□□□

(३३)

प्रभु यौ धरतीके माटि से

को– प्रभु यौ धरतीके माइट से मनुसके बनेलियै यौ
जीवन के साँस फुकलीयै यौ ना

१. धरती पर बाध और बकरी बनेलियौ
दुनु के संग मे रहनाइ सिखैलीयै
प्रभु यौ कतेक सुन्दर जीव और जन्तु बनेलियै यौ

२. सबके खातिर क्रूस आँहा उठेलियै
क्रूस पर काटी अहाँ ठोकेलीयै यौ
प्रभु यौ कोना कोनाके एते कष्ट सहलीयै यौ

३. धरती पर दुगो जाति बनैली यौ औकरा औरत मर्द कहलीयै
प्रभु यौ सबके खातीर क्रूस अहाँ उठेलीयै यौ

४. धरती पर फल और मेवा उगैलीयै यौ
मनुष्य के खेनाइ अहाँ सिखैलीयै यौ
प्रभु यौ कतेक खाय के चीज अहाँ बनेलियै यौ

□□□

(३४)

आय करु यीशु गान

को– आय करु यीशु गान - २ परम मनोहर एखन समय छै
एखने धरियौ ध्यान

१. मनुष्य जीवन बड़ अछि सुन्दर
जीवन सुफल बनाबीयौ यौ
आबी यीशु के शरण प्रेमी नहि मानु प्रिय अपन जान

२. बड़ बड़ छै दुःख छै संसारिक मनमे
छल सँ मुनष्य भरल छै यौ वाद विवाद सँ ज्ञानी कहबैय
जीवनक बाट भुलल छै यौ बगैर यीशु के राह नहि मिलत - २ नीति
वचन छै मान

३. अपना के सब नीक बुझैय छै
अनका के बेजाय बुझै छै यौ
इर्ष्या द्वेष आ डाह मे लोग सब सत्यक बाट छोड़ै छै यौ
जँ मुक्ति चाहै छै जगमे यीशु के बुझु महान

४. सकल समाज हम विन्ती करैछी पाप सँ मनके फिराबीयौ यौ
अनन्त जीवन छै सत्य वचनमे नरकक भागी नहि बनीयौ यौ
जीबित प्रभु के पुत हम बनब बगैर यीशुके नै कोनो ज्ञान

□□□

(३५)

की करबै दुनिया सँ पिरितीया

को– की करबै दुनिया सँ पिरितीया लगाइके
जोड़ि लिय रिस्ता अहाँ यीशु संग आइबके

१. चालाक सैतान छै सबके भरमाबै छै
ईटा पेड़ पत्थर सबके पुजाबै छै
नरक मे लाइये जैत एक दिन - २ फसरी लगाइके जोड़ि ...

२. अहि जगतीयामे बहुत बहकैलक,
गाछ वृक्ष पुजि - पुजि जियरा घबरैलक
हाइर गेलो हमसब - २ गंगा नहाइके जोड़ि ...

३. माइ बाप भाइ बनत जिनगि नइया पार करत
लाइये जाइत स्वर्गमें यीशु - २ अपना बनाइके जोड़ि ...

४. क्रूस पर यीशु जी अहाँके बोलाबैय
ई मनक दाग अहाँके सबटा हटाबैय
दाग छोड़ाइए देत – २ जीनगीमे आबिके जोड़ि ...

□□□

(३६)

बचबियौ– बचबियौ यौ प्रभु जी

को– बचबियौ– बचबियौ यौ प्रभु जी
दुनियाँ के सब लोग के
आइख रहैत सब आन्हार छै यौ प्रभु जी
आइख खोलिदियौ सब लोग के

१. जन–जनमे पाप भरल छै
पापक मतलब किछ नहि बुझैय छै
निक अधलाह मे कतेक फरक छै
कियौ नहि तय पर ध्यान धरै छै
शोक संताप से लोग जरल छै यौ प्रभुजी
निर्मल करियौ सब लोगके बचबियौ ...

२. चोरी लुचपन और व्यविचार के
सदिखन सुखी जानै छै यौ
साँच छोड़ि सब झुठ बाजय मे
अपने के चलाक बुझै छै यौ
छलके बीचमे लोग फसल छै यौ प्रभुजी
उद्धार करियौ सबलोग के बचबियौ ...

३. नरक के लालसा व्यभिचार लुचपन और गन्दा काम छै
बैर विधर्म और मुर्तिपूजा कतेक एहन काम छै
स्वर्गक लालसा प्रेम, आनन्द और मेल मिलाप छै
कृपा भलाइ ओर विश्वास मे नम्र संयम रहबा छै–बचबियौ ...

□□□

(३७)

गुरु भऽ के अहाँ के हम

को– गुरु भऽ के अहाँ के हम धोबै छी चरणिया
करबै पड़ोसी संग मे एहने करनियाँ

१. कऽ के देखाबै छी हम करब अहाँ जाइके
दिन दुखियन सँ मिलब गले लगाइ के
जग मे महान होबै ज मानबै बचनियाँ

२. अही नमहर होबै ज दोसर के बर बुझबै
सेवा करबै नहि अहाँ सेवक बनबै
सेवा मे बैर के नहि छै प्रेम के निसनियाँ

३. जे करत बैर अहाँ सँ करब अहाँ दोस्ती
करत जे नोकसान अहाँ के करब अहाँ भलाइ
लगाइये लेत यीशु अहाँके अपन शरनियाँ

□□□

(३८)

विजय साह

सुनि लिअ प्रभुजी

को– सुनि लिअ प्रभुजी–३ हमर प्रार्थना
१. हे हमर पिता स्वर्गमे छी जे
अहाँक नाम पवित्र होइक – २
अहाँक राज एहि पृथ्वी मे आबि
स्वर्गीय ईच्छा पूरा होइक – २
२. दैनिकी भोजन हमरा दऽ कऽ
हमर अपराध क्षमा करु – २
जेना हम अपना अपराधी के
सभ अपराध क्षमा केलहुँ – २
३. परीक्षा मे हमरा नहि पारु
दुष्ट सँ छुटकारा दिय – २
किएक तऽ राज, शक्ति आ महिमा
सदा अहींक होय, आमेन – २

□□□

(३९)

विजय साह

माताजी यौ, पिताजी यौ

को– माताजी यौ, पिताजी यौ
यीशु मसीह पर, विश्वास करु यौ – २

१. यीशु जी छथि, परमेश्वरक पुत्र – २
क्रूस पर चढ़ि कऽ देखौलन्हि प्रेमक सूत्र – २

२. अपना सभक लेल, यीशु क्रूस पर मरल यौ – २
तेसर दिनमे फेरो, जीबि उठलाह यौ – २

३. अनन्त जीवन, आ मुक्ति दैत छथि यौ – २
पाप सँ क्षमा, सेहो दैत छथि यौ – २

□□□

(४०)

विजय साह

हम अपराधी, पाप के चलते

१. हम अपराधी, पाप के चलते ऽऽऽ – २
दया करु हमराऽऽऽ
छुटकारा दिय हमरा – २
(जपब हम यीशु नाम, करब अहाँ के काम) – २

२. आत्मा तड़पे पाप के चलते ऽऽऽ – २
दया करु हमरऽऽऽ
मुक्ति दिय हमरा – २
-जपब हम यीशु नाम, करब अहाँ के काम) – २

३. महिमा सँ चुकलौं पाप के चलते ऽऽऽ – २
दया करु हमरा ऽऽऽ
महिमित बनाउ हमरा – २
-जपब हम यीशु नाम, करब अहाँ के काम) – २

४. हृदय रोगी पाप के चलते ऽऽऽ – २
दया करु हमरा ऽऽऽ
चँगाई करु हमरा – २
-जपब हम यीशु नाम, करब अहाँ कैं काम) – २

□□□

(४१)

शास्त्री जी

आईल मरियम के गोदमे

को– आईल मरियम के गोदमे स्वर्ग से यीशु जी
टुटल नाता प्रभु से जोड़ले यीशु जी – २

१. गाई कैं गोठमे जन्म भइले
पहला दर्शन गोठाला कइले
तारा चम्के आकाशमे बालक यीशु जी...।
टुटल नाता प्रभु से जोड़ले यीशु जी...।

२. तारा देख के ज्योतीषि अइले
सुन चाँदी धूप और मुरका चढ़इले
उद्धार करीहे मनुष्य के यौ राजा यीशु जी...।
टुटल नाता प्रभु से जोड़ी हे यीशु जी...

३. दया अनुग्रह पिता कइले
मुनष्य के उधार ला पुत्र के पठइले
जीवन पुस्तक मे नाम सभ के लिख दे यीशुजी...
टुटल नाता प्रभु नाता प्रभु सँ जोड़ि हे यीशु जी...

□□□

(४२)

शास्त्री जी

दया प्रेम के बढ़ा के

को– दया प्रेम के बढ़ा के गइल - २
आईल स्वर्ग से ओ कुछ दिन खातिर
बाँकी नरक से बचा के गइल...

१. एक तरफ नरक बा, एक तरफ स्वर्ग बा
जईबा किधर बतिया समझे मे फरक बा
प्रभु रहिया बता के गइल...

२. शैतानो की अड़ा ह्दय से निकाली
पवित्र आत्मा ह्दयमे जब ड़ाली
प्रभु न्याय से बचा के गइल...

३. विनती आराधना प्रभु के नाममे
हरदम रहे अपना के साथमे
प्रभु आत्मा बचा के गइल...

□□□

(४३)

शास्त्री जी

सुन हे परदेशी भाइ

को– सुन हे परदेशी भाइ - २ जाई सब छुटी
माया झूठी रे झूठी, मन फेरा उद्धार करी यीशु
माया रे झूठी रे झूठी...

१. कौड़ी–कौड़ी धन जोड़ला, सम्पति बनैला - २
अधर्म कुकर्म करी, बौवा के जिअइला - २
साध नही जाइ कोई-२ नाता सब छुटी माया झूठी रे झूठी...

२. मुर्ति पत्थर पुजली जिन्दगी गमइला - २
देवी देवता के खसी चढ़इला - २
एक दिन न्याय होइ-२ नरक मे झोकीं माया झूठी रे झूठी...

३. मन फेरा ढोङ छोरा, परमेश्वर के जाति ला - २
पापी के स्वीकार करा, क्षमा तु मागीला - २
यीशु के विश्वास करा-२ स्वर्गमे होइ खुशी माया झूठी रे झूठी
मन फेरा उधार करी यीशु माया झूठी रे झूठी...

□□□

(४४)

शास्त्री जी

स्वर्गमे सोचेला परमेश्वर हो

को: स्वर्गमे सोचेला परमेश्वर हो, मनुष्य बेकार हो गइल
कइले अपन पुत्र के बलिदानमा हो,
मनुष्य के उधार हो गइल...

१. पाचँ दिनमे सृष्टि बनैले, छठा दिनमे मनुष्य के बनैले
ई करी महिमा अराधना हो, यी योजना बेकार हो गइल...

२. शैतान साँप के रुप बनइले, सारा बुद्धि मनुष्य पर लगैले
कराबे लागल अपनी जय-जयकार बा हो,
जिनगी अन्हार हो गइल...

३. दुनिया के सभ लोग बतइले, बहुरुपी बन के घर - २ पुजैले
शान्ति कभी न पइले हो, निंदिया हराम हो गइल...

४. सत्य वचन बाइबल के मानीला, सचा राह मसीह धरीला
उतर जाइ पाप के गठरिया हो स्वर्ग के पैगाम हो गइल...

□□□

(४५)

श्री नारायण जोसेफ

हे पवित्र आत्मा, हमरा मन मे समाउ

हे पवित्र आत्मा, हमरा मन मे समाउ
सामर्थ्य बढाउ, अपन गवाह बनाउ

१. हे यीशु अहीं मार्ग, सत्य, जीवन छी
आत्मा और सच्चाई सँ हम भजन करैत छी

२. हम अहाँ कें जनैत छी अहाँ जीबित प्रभु छी
आई काल्हि सभ दिन एके समान छी

३. स्वर्ग और पृथ्वी अहाँक महिमा सँ भड़ल अछि
ई भवन हमर मन अहींक लेल खुजल अछि

□□□

(४६)

श्री नारायण जोसेफ

आनन्द मनाउ, सभ

आनन्द मनाउ, सभ २
बड़ा दिन अछि महान यौ
यीशु जन्म पर बजै बधैआ
गाउ, सभ मंगल गान यौ

१. कुमारि मरियम पैघ पवित्र बनलीह पवित्र माय यौ -२
प्रभुक जन्म कैँ सभ पीड़ा सहलीह
अपनो गाउलीह जश गान यौ – यीशु

२. स्वर्ग छोड़ि राजा भूमि पर अयलाह
गौशाला जन्मक स्थान यौ -२ जन्मक राति नादि मेबितौलाह
भेलाह मसीह महान यौ – यीशु..

□□□

(४७)

श्री नारायण जोसेफ

पाप सँ भरल जीवन

को– पाप सँ भरल जीवन, किए लोक बितबैयऽऽ
प्रभु यीशु प्रेम सँ सभ कैँ बजावैयऽऽ

१. मनुख, पँछी, जानवर देखू आसमान कैँ
सुरुज, चाँद, भुमि सभ सृष्टि नाशवान छै
सभ किछु देलनि प्रभु, हम सभ जन कैँ
ई नहि जानि लोक अखनो अनजान छै
नाशमान कैँ पाछा पड़ि, पाप सभ अरजैय

२. लोभ, बैर, हत्या, इर्ष्या सँ भरि कैँ
करैय चुगली आओर अभिमान यौ,
अपनो करैय आ आरो सँ करबैत ओ
खुशी मे मनबै ओ अपना जीवन यौ
एहि सँ फिराबऽ मन कैँ – यीशु जी सिखबैय

३. करु नहि कठोर मन दियौ जीवन यीशु कैँ
नम्र आ दीन पर यीशु जी तरसैय
यीशु कैँ महिमा, आदर कैँ खोजि कैँ
आशिष कैँ बर्षा, यीशु जी बर्षबैय
आदर कैँ योग्य जीवन देता अँहू कैँ
यीशु पक्षपात नहि करैय

□□□

(४८)

श्रीनारायण जोसेफ

वन्दना करैछी, वन्दना करैछी

को– वन्दना करैछी, वन्दना करैछी
अही कैँ चरण मे, अर्चना करै छी

१. स्वर्गीय पिता कैँ पुत्र बनि कैँ पवित्र वचन सुनहिलहुँ,
माय – बाबु अहाँ सँ मिलल हुनको उपदेश देलहुँ
करियौ पवित्र हमरा हृदय कैँ -२
मिटतै कटु विचार ई अर्चना करै छी –बन्दना

२. पैघ पवित्र अहाँ भरम छोड़िबै छी
अहाँ सँ बढ़ि कैँ हम किनको नहि जनै छी
सदिखन अहाँ कैँ सद्‌गुण मे बढ़बै -२
करियौ कृपा ई याचना करै छी – बन्दना

३. दास कैँ पुकार प्रभु अहाँ सुनै छी
नीक चरवाह प्रभु एहि दास कैँ बनौने छी
ज्योति कैँ सन्तान बनी -२
जीवन बिताबे – ई कामना करै छी

□□□

(४९)

श्री नारायण जोसेफ

हे परमेश्वर, हे यीशु राजा

हे परमेश्वर, हे यीशु राजा
विनती हमर स्वीकार करु - २

१. अहाँ जीवन छी, अहि संझाइ
अहीँ बाट बनल छीँ यौ
अनुपम वचन अहाँ देने छीँ - २
हमरा जीवन मे उतारि धरु हे परमेश्वर .....

२. हम मन्दिर छि, अहाँ द्वारि छी
अहाँ सुन्दर चरवाह छी यौ
हम नही कखनो, कुसंग चलव यौ
जँ यीशु हमरा स्वीकार करु हे परमेश्वर .....

३. हम निर्बल छी, सबल चाहै छी
अहाँ कैँ सामर्थ चाहै छी यौ
हम पापी जन क्षमा चाहै छी
सकल जन कैँ उद्धार करु हे परमेश्वर .....

□□□

(५०)

श्री नारायण जोसेफ

दशेटा नियम छै, नियम दशेटा

दशेटा नियम छै, नियम दशेटा
जीवन कैँ दशटा नियम छै
धरती कैँ लोक सभ कैँ, स्वर्ग स देल गेल
जीवन कैँ दशटा नियम छै । दशेटा...

१. पहिल परमेश्वर यहोवा यीरे,
आन किनको प्रभु नहि मानु,
दोसर किनको मूरत बना कैँ
करु नही दण्डवत आज्ञा ई मानु ।।
भूमि, आकाश आ जीव सभ जल कैँ - २
बचने सँ निरमौल छै ।। दशेटा...

२. झूठ–फूसि लेल, यीशु कैँ नाम
तेसर मे नहि लियौ अहाँ,
सबाथ दिन कैँ पवित्र मानि
पाँचम अपना माय–बाबु कैँ -२
करनाइ आदर सम्मान छै ।। दशेटा ...

३. छठम अहाँ हत्या नहि करीयौ
सातम नहि करु व्यभिचार
आठम करु नहि चोरी प्रभु सँ
नवम आज्ञा पर लियौ विचार,
झूठ गवाही नहि किनको विरोध मे -२
लालच पाप दशम छै । दशेटा ...

□□□

(५१)

श्रीनारायण जोसेफ

छोडू ओ मिथ्या रीत यौ – बन्दे

को– छोडू ओ मिथ्या रीत यौ – बन्दे
यीशु कैँ वचन अछि शाश्वत जग मे
ताहि सँ लगाउ, प्रित यौ – बन्दे

१. जन–जन कैँ मन छै अपना
अपने मन सँ देखैय सपना -२
वचन कैँ छूरी मनपर चलैय -२ बन्दे ...
कोना कऽ हयतै हीत यौ – यीशु कैँ

२. मनक राज बड़ उलझल छै
सत्य छोड़ि विधर्म बनल छै
शैतान जिनका मन मे बैसल छै -२
कोना कऽ निकलतै सुगीत यौ – यीशु कैँ

३. मन रमाउ, प्रेमी यीशु मे
यीशु बैसताह अहाँक हृदय मे
पवित्र बनि कैँ पाप नहि करीयौ -२ बन्दे...
अनन्त जीवन बनतै मित यौ – यीशु कैँ

□□□

(५२)

श्रीनारायण जोसेफ

भेल मगन मन मोर

भेल मगन मन मोर -४
हमसभ यीशु कँ अंगना मे आनन्द मनबै छी
एहि ठाम भाइ–बहिन झुमि - २ गबैछी ।।

१. अंधकार मेऽ जीवन बितै छल
नित–नित पाप होइत रहै यौ - २
अंधविश्वास कँ कथा सुनि–सुनि
जीवन बिगरल जाइत रहै यौ - २
होइत रहै अन्हार - २ जीवन मे
दीक्षा भेटल यीशु अंगना मे आनन्द मनबै छी
एहि ठाम...

२. टुटल पिसल दिल हमर छल
भूमि पर गिरल छलहुँ यौ - २
नोर बहै छल शान्ति भेटल
उलझन मे पड़ल छलहुँ यौ- २
नम्र कँ सम्हारि - २ यीशु
महिमा भेटल यीशुक अंगनामे आनन्द मनबैत छी ।।
एहि ठाम...

□□□

(५३)

श्री नारायण जोसेफ

आराधना – ३ करु सभ मिली कऽ

आराधना – ३ करु सभ मिली कऽ ।।

१. पवित्र, पवित्र अति पवित्र
सत्य सनातन स्वर्गिय पिता जी -२
हम जीवन सौपैत छी, यीशु अहीं कँ चरण मे -२
विनती सदिखन करु अहिँ कँ ।। आराधना .....

२. दया कँ सागर, करुणा कँ सागर
आदि आओर अन्त अहाँ युगानुयुग -२
पूर्ण करु आत्मिक बरदान कँ ।। आराधना .....

३. आत्मा कँ बल सँ हम दौड़ब जहाँ मे,
जीतक जीवन करियौ कृपा यीशु जी -२
अपना संगती सँ हमरा नहि छोडु
जीवन बचायव भाय–बहिन कँ आराधना .....

□□□

(५४)

श्रीनारायण जोसेफ

आय करु यीशु गान

आय करु यीशु गान -२
परम मनोहर अखन समय छै -२ एखने धरियौ ध्यान आइ

१. अपना कँ सभ निक बुझैथ
अनका बेजाय बुझैअ यौ ।
इर्ष्या, द्वेष आ ड़ाह मे लोक सभ
सत्यक बाट छोड़ैय यौ ।।
जँ मुक्ति चाहै छी जग मे - २
यीशु कँ बुझु महान आय .....

२. बड़-बड़ दुःख छै संसारिक मन मे
छल सँ मनुख भरल छै यौ ।
वाद–विवाद सँ ज्ञानी कहबैअ
जीवनक बाट भुलल छथि यौ।।
बगैर यीशु कँ राहो नहि मिलत - २
नीतिवचन छै मान आय .....

३. सकल समाज हम विनती करै छी
पाप सँ मन फिरबियौ यौ
मनुष्यक जीवन बड़ अछि सुन्दर
जीवन सफल बनबियौ यौ
आबि यीशु कँ शरण मे प्रेमी - २
नहि मानु प्रिय अपन जान आय .....

(५५)

श्रीनारायण जोसेफ

कतेक महान हमर यीशु जी

कतेक महान हमर यीशु जी
कतेक महान हमर प्यारे -२_

१. कुमारि माय कैँ पुत्र बनल यीशु जी
पवित्र आत्मा सँ जनम भेलैन्ह,
जनम कालमे तारा ठहरि गेल
ज्योतिषो उपासना कएलन्हि
चिथड़ा लपेटि नादि मे परल छल - २
जगतमे भेल पैदा प्यारे । कतेक ...

२. बुढ़ सिमोन कैँ उद्धार भेल, हन्ना कैँ उद्धार भेल,
कतेक बिमार कैँ चंगा कएलैन्ह
दुष्ट आत्मा कैँ वचन सँ फटकारि
कोढ़ीयो कैँ काया देलन्हि ।।
लकवा सँ मुक्त लोक खाट उठौलक - २
एहन बहुतो कैँ उद्धार कएलन्हि प्यारे कतेक ...

३. पवित्र पोथी सँ वाचा ओ बान्हलन्हि
वाचा कैँ पूरा केलन्हि ।
पापी कैँ उद्धार लेल यरुशलेम मे
क्रूसपर लहु बहौलन्हि ।।
इलौई–इलोई लमा शबखतनी - २
कयलन्हि चित्कार हमर प्यारे कतेक ...

(५६)

श्रीनारायण जोसेफ

यीशु जी कहलन्हि

यीशु जी कहलन्हि, साँचे साँच कहै छी,
वचन हमर सुनु-यीशु जी ...

१. जीवन कैँ शुद्ध करऽ वाला, बाइबल अहाँ कैँ देलहुँ ।
अन्हार कैँ मिटबै वला ज्योति अहाँ कैँ देलहुँ ।।
यीशु जी कहलन्हि, बाट हमहीं छी,
एहि पर चलु, – यीशु जी ...।

२. मन कैँ मैल धोयवला, बाचा कैँ लहु हम छी,
तड़पैत भुख मेटाबऽ वला, स्वर्गक रोटी हम छी ।।
यीशु जी कहलैन्ह, सत्य हमहीं छी,
एहि सत्य कैँ जानू – यीशु जी ...।

३. देखड़ पड़तर कैँ पाप सँ छोड़ियबाक
आत्मा कैँ दान लिअ,
पवित्रता मे स्थिर रहबाक लेल
अभिषेककैँ दान लिअऽ
यीशु जी कहलन्हि, जीवन हमहीं छी,
एहि पर विश्वास करु यीशु जी ...।।

□□□

बचबियौ यौ यीशु जी

बचबियौ यौ यीशु जी
दुनिया कैँ सभ लोक कैँ

१. जन–जन मे पाप भरल छै,
पापक मतलब किछु नहि बुझै छै ।
निक-अधलाह मे कतेक फरक छै ।
केओ नहि ताहि पर ध्यान धरै छै ।।
शोक संताप सँ लोक जरल छैँ, यौ यीशु जी
निर्मल करियौ सभ लोक कैँ । बचबियौ ...

२. चोरी, लुचपन, व्यभिचार कैँ
सदिखन सुख जनै छै यौ ।
साँच छोड़ि झूठ बाजऽ मे
अपना कैँ चतुर बुझै छै यौ ।।
छल कैँ किच मे लोक फँसल छै यौ यीशु जी
उद्धार करियौ सभ लोक कैँ । बचबियौ ...।

३. आत्माक लालसा प्रेम, आनन्द,
मेल आ धिरज छै ।
कृपा भलाइ आ विश्वास
नम्र, सयम मे स्वर्ग छै ।।
लोक नहि बुझि रहल छै यौ यीशु जी
भव पार करियौ सभ लोक कैँ । बचबियौ ...

(५८)

श्रीनारायण जोसेफ

यीशु हे यौ यीशु

यीशु हे यौ यीशु -२
अहाँ सबकेँ खियाल रखैछी यौ ।।

१. दिन, दु:खी पापी लेल प्रभुजी लहू बहौलकै,
क्रूस पर लटकल यीशु
आहो नहि भरलकै ।।
दोषी के बचाबै यीशु - २
यीशु प्रेमक भुखल छै ।। यीशु ... ।

२. मसीही सँ पहिले मनमे
रहै बड़ अवगुण यौ, सोना सन वचन भेटल
नबका जीवन यौ ।।
पवित्र बनाबै -२ सभकेँ -४
पैघ यी आत्मिक फल छै ।। यीशु ...।

३. जे मेहनत सँ थाकल
बोझ सँ दबल छै
शान्ति केँ खोजमे जे
लोक भटकल छै ।।
यीशु बजाबैय -२ हुनका -४
स्वर्गक द्वारि खुलल छै ।। यीशु ...

□□□

(५९)

श्रीनारायणजोसेफ

यीशु के महिमा

को– यीशु के महिमा, महिमा - २ यीशु के महिमा
यीशु के महिमा सब दिन करबै
जीवन सुफल बनौबै यौ

१. सैतान के छोड़ि हम,
यीशु लग अयलौ ऽ
हरदम यीशु लग रहबै यौ - २
पाप छोड़ि हम पवित्र बनलौ,
पवित्र बनल रहबै यौ – २ यीशु क ...

२. अवगुण छोड़ि हम सदगुण पयलौँ,
हरदम सदगुण बढौवै यौँ - २
अन्हार छोड़ि हम इजोत लग अयलौँ,
हरदम इजोत मे चलबै यौ २ यीशु क ...

□□□

(६०)

श्रीनारायण जोसेफ

हे पवित्र आत्मा

को– हे पवित्र आत्मा, हमरा मनमे समाउ
सामर्थ बनाउ, अपन गवाह बनाउ

१. हे यीशु अहीँ, मार्ग, सत्य, जीवन छी
आत्मा और सच्चाइ सँ, हम भजन करैछी
हे पवित्र आत्मा ...

२. हम अहाके जानैत छी, आँहा जीबित प्रभु छी
आइ काल्हि सब दिन, एके समान छी
हे पवित्र आत्मा ...

३. स्वर्ग और पृथ्वी, आँहाक महिमा सँ भरल अछी
ई भवन ऽ हमर मन ऽ अहींकँ लेल खुजल अछी
हे पवित्र आत्मा ...

□□□

(६१)

दुनिया मे अयलाह

को– दुनिया मे अयलाह यीशु करऽ कल्याण
जँ अहाँ करब विश्वास, देताह निक - २ बरदान

१. पाथरक हृदय बदैलक, मनुषक हृदय देताह - २
कठोर मनके बदैलक, नम्र मन उत्पन्न करताह
अपन वचन सबसँ - २, करताह सम्मान – जँ अहाँ ऽऽऽऽऽऽ

२. दुष्ट विचार हटाके, पवित्र आत्मा देताह
वचनक सामर्थ द्धारा, पाप सँ घृणा करौताह
यीशुक कृपा सँ बनब - २, निक इन्सान – जँ अहाँ ऽऽऽऽऽऽ

□□□

(६२)

विनती करैछी यीशु

को– विनती करैछी यीशु, होयऔ न सहाय यौ
पाप आ दुःख सँ घेरल छी, सहलो न जाय यौ

१. दुनिया मे झुठ और पापक, भरल भण्डार यौ – २
अहीक हाथ सँ यीशु, होयतै उद्धार यौ – २
देर ने करु प्रभु – २, घडी बितल जाय यौ विनती ...

२. अपने तऽक्रूसपर, भेलौं बलिदान यौ – २
जगके उबारै खातीर, सहलौ अपमान यौ – २
परम कृपालु प्रभु जी – २, पाप सँ बचाउ यौ विनती ...

३. ज्योति स्वरुप प्रभु जी ज्योति जगाउ यौ – २
अन्तर मनके सभ, दोष मेटाउ यौ – २
दया करु हे दयालु - २, दुःख सँ छोड़ाउ यौ विनती ...

□□□

(६३)

एक दिन जयबै यीशु घरमे

को– एक दिन जयबै यीशु घरमे - २ , आनन्द सँ
एक दिन जयबै स्वर्गमे - २, आनन्द सँ

१. हर क्षण – हरपलमे, आत्मामे प्रार्थना कएके
पवित्र लोक लेल करब, बिनती जागैत रहिके - २
जागृति लायब हम २ आनन्द सँ ... एक दिन ...

२. सत्य सँ तैयार भऽक, धार्मिकताके झिलम पहिरके
शुभ – संदेश सँ ऽ तैयारीक जूता पहिरके - २
सेवा करब हम २ आनन्द सँ ... एक दिन ...

३. यीशुमे विश्वास राखिके, आत्माक स्थिर ढालसँ,
उद्धारक टोपी पहिरके, वचनक तलवार सँ,
शैतानी तीर बुतायब हम - २ आनन्द सँ ... एक दिन ...

□□□

(६४)

आराधना हो बे आराधना

को– आराधना हो बे आराधना
सुनु यीशु जी करैछी याचना – आराधना

१. साँस चलैय जा धरि जीवन मे
ताधरि जीबै छी, अहिके वचन सँ,
प्रभु यीशु जी सुनु अर्चना
करैछि भरोसा अहींके वचनसँ
कोनाक भूलब, अहीं केर महिमा - २
अर्पण करैछी आजुक आराधना आराधना हो ...

२. आत्मा सँ भरि कऽ आँहाके पुकारी
आखीक नोर के पलक सँ उतारी
अन्तःकरण मे अबियौ यीशु जी,
करियौ अगुवाइ महरा निहारी
निर्मल वचन सँ पवित्र करु हमरा - २
सदिखन करब हम अहिके बन्दना आराधना हो ...

३. मानब रहैत बनल छी कीड़ा,
दै छी दोहाइ, अपन हाथ उठाके
करीयौ दया यीशु हम सब जन पे
रहि नहि सकैत छी, अहाँ सँ छुपाके
अहाँके करुणा सँ भुमी भरल यऽ
जय के जोर सँ होबे होसन्ना आराधना हो ...

□□□

(६५)

श्रीनारायण जोसेफ

हे यौ मिथिलाक लोक

को– हे यौ मिथिलाक लोक, करु स्तुति आराधना मसीहके
यीशु मसीह के, पवित्र प्रभु के - २, प्रेमी यीशु मसीहके... करु...

१. स्वर्ग सँ निहारिके सबके देखैथ ओ
उत्पन्न विचार मनके, तखने जानथि ओ
हे यौ समाजक लोग, के ओ बचि नहि सकै छथि मसीह सँ
यीशु मसीह के

२. पाप मे भटकल सबके, लग बजाबथि वो
पाप क्षमा कए, पापसँ बचाबथि वो
हे यौ मिथिला के लोग, बनु पवित्र समाज मसीह के
यीशु मसीह के

३. दुखिया लाचारके, छाती सँ लगाबथि वो
आँखीक नोर पोछि, जीवन बचाबथि वो
हे यौ जगतक लोग करु, स्तुति आराधना मसीह के
यीशु मसीह के

□□□

(६६)

श्रीनारायण जोसेफ

एक दिन जेबै यीशु संगे

को– एक दिन जेबै यीशु संगे, हुनकर करबै बड़ाइ ना

१. दुःख सँ भरल एहि जगके छोड़बै, खुशी खुशी उड़ जेबै - २
मेघ पर हुनका संगे मिलबै-२, जीवन सफल बनेबै– हुनकर...

२. दुःख पिड़ा सँ पार भऽ जेबै, हरदम आनन्द पेबै
नाशमान सब छुटिए तऽ जेतै, अविनाशी सब पेबै– हुनकर ...

३. कमी घटी सब दूर भऽ जेतै , भरपुरी मे जेबै
शैतानक मुँह कारी हेयतै, महिमा के हम पेबै– हुनकर ...

४. मृत्यु सँ हम पार भऽ जेबै, स्वर्ग धाम मे जेबै
होसन्ना के गीत हम गौबै, पिताके संगे रहबै– हुनकर ...

□□□

(६७)

यीशु अएला गाम

को– यीशु अएला गाम –घरमे
स्वर्ग सँ अएला गाम घरमे,
सबके ओ क जीवन देवऽ अएलाह - २ गाम घरमें, यीशु ...

१. केओ कहै राजा छैथि, केओ कहै प्रधान - २
केओ कहै परमेश्वर छैथि - २, केओ कहै इन्सान यीशु ...

२. क्रूस पर चढ़िके लहू बहौलनि, पापक बोझ उठौलैन - २
पापिक अनन्त जीवन देबऽ - २, मुर्दा मे ओ जान यीशु ...

३. पापक क्षमा सभके देबऽ, कुकर्मिके के ज्ञान - २
भवसागर पार उतारै - २, दुःख संकट सँ त्रामा यीशु ...

□□□

(६८)

दऽ देलिए

को– दऽ देलिए
यीशु अनमोल जिनगी, दऽ देलियै यौ
खुशी ओर शान्ती सँ भरी देलियै यौ

१. पाप आ दुःख सँ, व्याकुल छलहुँ जखन २ ,
मृत्युक आश मे, जिबैत छलहुँ जखन - २
हमरा बदलामे प्रायश्चित भगेलियै यौ यीशु अनमोल ...

□□□

(६९)

सुनु भाइ बहिन इ मधुर वचन

को – सुनु भाइ बहिन इ मधुर वचन
धन स्वर्गक लेल, सभ जमा करु

१. ने करु इर्षा, ड़ाह, बढाउ प्रेमक प्रवाह
राखु मेल मिलाप, एहि अछि जीवन निर्वाह

२. राखु हृदय पवित्र, बनत जीवन पवित्र
बनतै मसीही समाज,राखु उत्तम चरित्र

३. सभ प्रकारक मलिनता सँ रहु दूर
बिनु क्रोधे स्तुति सँ रहुँ भरपुर

□□□

(७०)

अबियौ यौ... भाइ – बहिन

को– अबियौ यौ... भाइ – बहिन
प्यारे यीशु सँ बात करु, अहाँ प्रभु यीशु से बात करु

१. एक – एक वचन हुनकर, जग मे विख्यात छै
सर्वश्रेष्ठ मानव जाति, तखनो अज्ञात छै
बुझि लियौ ऽ भाइ – बहिन

२. तन – मन – धन जखने, प्रभुजी के देबै
जीवन ज्योती मिलतै यौ, बड़ सरल छैन्हि,
जीवनक वचन हुनकर
सुनि जीवन बदलतै यौ
मन फिरबियौ यौ... भाइ – बहिन

३. धर्मक पियास जगबियौ यौ प्रेमी
तृप्त करताह यीशु जी
धर्मक कारणे जँ दुःख उठबै छी
न्याय करताह यीशु जी, क्रूस उठबियौ भाइ – बहिन

□□□

(७१)

यीशु आँहा बिनु हम

को– यीशु आँहा बिनु हम, रहबै कोना

१. मुक्ति देलौं हमरा, शान्ति देलौं
नरक दण्ड सँ, हमरा बचेलौं

२. रोग सँ बचेलौं ऽ चिन्ता हटेलउ
श्राप अधर्म सँ, सेहो छोडौलौं

३. आशिष दै छी अहाँ जीवन दै छी
धन आ महिमा से हो दै छी

४. गौवाँ छोड़लकै, घरुआ छोड़लकै
सर समाज सभ, संगी छोड़लकै

□□□

(७२)

हे पिता, अपन नामक महिमा करियौ

हे पिता, अपन नामक महिमा करियौ
अहाँ अपन महिमा, दोसर के नहि दियौ

१. स्तुति के योग्य अहाँक अराधना होय
राज्य पराक्रम महिमा, अहींके हरदम होए
हे प्रभु, हमरा ओर अभिषेक करियौ – अहाँ

२. दियौ बरदान महरा, हिआओ सँ वचन सुनाएल जाए
पवित्र यीशु नामसँ, अद्‌भुत काज काएल जाय
हे प्रभु, हमरा औरो आशिष दियौ – अहाँ

३. राजा, मन्त्री, हाकिम अहाँक विरोध करैय
कतेको कठोर लोक, मोन नै फीरबैय
हे प्रभु, ओकरो उद्धार करियौ – अहाँ

□□□

(७३)

सुनारे तन दिअ, सुनारे मन दिय

को– सुनारे तन दिअ, सुनारे मन दिय, सुनारे जग संसार
प्रभु यीशु कृपा करु महाराज - २

१. भुमि पर फुल छै, अंजीर पकै छै,
दाख लता सब फुइल रहल छै
पिण्डुक गुटर–गु – कोयल करै कु कु
पंछी के सुनरी स्वर सुनल जायछै
हे हमर प्रिय सुनरी उठु चलु, एला आदन राज

२. अपनेके शोभा पहिल किरन सन, जेना सुनरी चान
सुरुजक पताका जय मे प्रगट अछी, भेल इजोत हमर आंगन
अमर ज्योती जगाउ प्रभुजी, अहाँ जीवनक सरताक

३. करुण हृदय, अति उज्जवलशित, मंगल मिलन करतुराज
कामिनी बदन सजल कंचन सँ, मधुर मिलन सुकाज
फुलै फलै भुगल जीवन, जेना सोसना पुष्पराज

□□□

(७४)

प्रदीप यादव

सभ मिली प्रभुके गुन गाउ यौ

को– सभ मिली प्रभुके गुन गाउ यौ, हमर प्रभु महान छथि २
प्रभु महान हमर - २ छथि, सभ मिली ...

१. जखने प्रभु यीशु स्वर्ग सँ अएलन - २
सभ लोकनि के मुक्ति दियौलीन - २
पाप सँ कैलनि उद्धार यौ - २

२. हुनकर नाम छनि शान्तिदाता - २
वैह प्रभु छैथि मुक्तिदाता - २
दाता छथि वैह महान यौ, हमर प्रभु महान ...

३. जखने प्रभु यीशु लाजरसके देखलनि - २
दे ललकारो झट सँ उठलैन
मृतक सँ लेलनि बचाय यौ - २ हमर प्रभु महान ...

□□□

(७५)

हे प्रभु जगत स्वर्ग के करैछी

को– हे प्रभु जगत स्वर्ग के करैछी स्तुति महिमा,
हे यौ प्रभु करैछी स्तुति महिमा - २

१. कैलैन रचना आकाश और धरती,
धरतीके माटि सँ मनुष्यके गर्हलैन - २
ओकरा नाकमे जीवनक साँस फुकलैन

२. अपने छी सिर्जनहार,अपने छी तारणहार - २
हे यौ प्रभु अपने छी पालनहार - २

३. पापक दास छलौं हमसब, नरक कुण्डक भागी
पापक दण्डक भागी - २
पापक दोष हटाबैला, अपने यीशुके देलैन

(७६)

प्रदीप यादव

हे यौ - २ बौवा सुनु

को– हे यौ - २ बौवा सुनु , सुनु - २ हमर बात यौ
यीशु मसीह संसारमे अयलनि (कैलनि यैह प्रचार यौ) - २

१. बेतलेहम मे यीशु जन्मे लेलनि
घर घरमे कैलनि प्रचार यौ,
चिन्ता फिकरी सभकोइ छोडु, (यीशुपर करु विश्वास यौ) - २

२. होश हेरागेल चेला सभके, समुन्द्र मे आइल बिहारि यौ
डगमग नैया नव करे, (यीशु के कैयलनि पुकार यौ) - २

□□□

(७७)

नरेश पासवान

करु प्रशंसा गाउ भजन

को – करु प्रशंसा गाउ भजन - २ सृष्टि सृजनहार के
यीशु मुक्ति आधारके सृष्टि सृजना हारके - २

१. पाप के खातीर सूलीपर चढ़लैन मानवके सुधारमे - २
पापीके कारण प्रभुके ठोकल, काटी हाथ पाउमे
यीशु मुक्ति ...

२. मानु यौ भैया बात यीशु के, प्रभु सभके बजबैय - २
आँहाके लेल यीशु २ स्वर्गक बाट देखबैय
यीशु मुक्ति ...

३. बितल राति अन्हारमे प्रभु, चाँद सन दिन देखबैय - २
स्वर्गक राज देखवक लेल प्रभु अहाँके बजबैय

□□□

(७८)

प्रदीप यादव

सभसँ छी अपने महान यौ यीशु

को– सभसँ छी अपने महान यौ यीशु,
सभसँ छी अपने महान अपने छी सर्व सक्तिमान - २

१. स्वर्ग छोड़ि यीशु धरती येलँह
पापी के हेतु सोनीत बहेलँह - २
सूलीपर चढ़ि अपन प्राण देलौं
सभसँ छी...

२. बहुतो विरामीके चंगा केलहुँ - २
मुर्दाके सेहो जिएलहुँ - २ कोढ़ी के अपने काया देलौं
सभसँ छी ...

३. पियासल आत्मा छल, अन्हारमे भटकल - २
पावलागी इ मन कलकल - २
भाग्य खुलल जखन प्रभु बचाव आँइख देत सभसँ छी ...

४. मृत्युके बन्धन तोडी कऽ नव (आसा दगेल) - २
हमरा किछुके डरे नै आब, दुनिया हमर घरे नइ

□□□

(७९)

प्रदीप यादव

हे प्रभु यीशु परमपिता

को – हे प्रभु यीशु परमपिता, आँहाके चरणमे अबैछी - २

१. अहीं सभक सृष्टिकर्ता - २ (अहीं सभके पालनहार) - २

२. दिन दुःखीके अहीं साहारा - २ (अहीं सभके तारणहार) - २

३. बाट सत्य अनन्त जीवन - २ (अहीं मे सभकिछ पबैछी) - २

□□□

(८०)

प्रभु आँहाके स्तुति करैछी

को– प्रभु आँहाके स्तुति करैछी अहींक महिमा गबैछी - २
अहींक चरणमे हे प्रभु - २ हृदय भेटि चढ़बैछी

१. प्रभु आँहाके स्तुति करैछी, अहींक महिमा गबैछी - २
अहींक वचन सँ हे प्रभु - २, नया जीवन पबैछी - २

२. प्रभु आँहाके स्तुति करैछी, अहींक महिमा गबैछी - २
प्रभु शक्ति दिय हमरा - २, अहींक वचन सुनाबक लेल - २

३. प्रभु आँहाके स्तुति करैछी, अहींक महिमा गबैछी - २
पुरा मन सँ विन्ती करै छी - २, आँहाक दर्शन पाबक लेल

(८१)

केमरिया खोल ए यीशु

केमरिया खोल ए यीशु २
दुहरे पर एले कृस्चनमा केमरिया खोल हे यीशु - २
बहुत दिनन से असरा लगवली - २
कब होहिए प्रभु से दर्शनमा हो केमरिया खोल हे यीशु - २
केमरिया खोल ...
यरुशशलेम मे मंदीर बनवला - २
लङ्गड़ा, अन्हरा ठीक कैला केमरिया खोल हे यीशु - २
केमरीया खोल ...

□□□

(८२)

प्रभु के भजन स्वर्ग से आएल

प्रभु के भजन स्वर्ग से आएल - २
स्वर्ग के छोड़ि प्रभु - २
धरती पर आएल — प्रभु के भजन...
पहिले प्रार्थना सुनाब पीछे बाइबल उलटावा - २
बाइबल के साथ साथ - २
स्वर्ग लेजाइ — प्रभु के भजन...

□□□

(८३)

प्रभुजी महिमा तोहार बा

प्रभुजी महिमा तोहार बा - २
अरजी लगाएब - २
अरजी हम लगाएब हो विनती चढ़ाएब - २
प्रभुजी महिमा...

राजा प्रजा पर भरोसा न करीहा - २
देखेवला चीजपर आशा न रखीहा - २
ढ़ल जहिए सारा सामान बा

अरजी हम लगाएब - २
अरजी हम लगाएब हो विनती चढ़ाएब - २
प्रभु जी महिमा...

सत्य शान्ति हो इशा मसीह बा
किल्ला चट्टान हो प्रभु यीशु बा
प्रभुजी महिमा...

□□□

(८४)

यीशु नेहाय हो प्रभु नेहाय हो

यीशु नेहाय हो प्रभु नेहाय हो - २
प्रभु ने बाइबल लाया मुक्ति के लिए - २

हमरा न माना ओइ जकरिया से पुछा - २
यूहन्ना बेटा देलन यीशु हो प्रभु - २
यीशु नेहाय हो...

हमरा न मान ओई मार्था से पुछा - २
मरल लाजरस के जिलाया यीशु हो प्रभु - २
यीशु नेहाय हो...

हमरा न मान ओई जुप्पा के लोग से पुछा - २
मरल तबिता के जिलाया यीशु हो प्रभु - २
यीशु नेहाय हो ...

□□□

(८५)

जंगल झाड़ी मे

को– जंगल झाड़ी मे, परवत पहाड़मे अकेले घुमेला - २
हमर यीशु हो प्रभु अकेले घुमेला - २

१. गाइ के गोठमे जनम लेला एगो तारा देखेला ना - २
हमर यीशु हो प्रभु अकेले घुमेला - २
चालीस रात रहे उपवासमे अकेले घुमेला - २
हमर यीशु हो प्रभु अकेले घुमेला - २

२. यर्दन नदिमे लेबे बपतिस्मा हो अकेले घुमेला - २
हमर यीशु हो प्रभु अकेले घुमेला - २

□□□

(८६)

तोहरे पर कैले छी भरोसा

तोहरे पर कैले छी भरोसा हो यीशु प्रभु दुःखबा मेटादा - २
हो... दुःखवा मेटादा यीशु धीरज धरादा - २ हो... तोहरे पर...
हो... स्वर्ग के छोड़ि प्रभु धरती पर अएलन - २
हो... पापी सभ के करैछा उद्धार
हो यीशु प्रभु दुःखबा मेटादा - २ हो... तोहरे पर...

हो... लड़की कुमारी मरियम रहे - २
हो... ओकरे देह से तोहुँ जनम लेला
हो यीशु प्रभु दुःखबा मेटादा - २ हो... तोहरे पर...
हो... सँभिया सबेरे हम करैछी प्रार्थना - २
हो... तोहरे पर... हो... दुःखवा मेटादा...

□□□

(८७)

अहींक अराधना करी

को– अहींक अराधना करी, अहींक अराधना करी
पाप क्षमा करु, जीवन दिय
दयाक याचना करी - २

१. अहीं महान सर्वशक्तिमान
अहीं छी हमर जीवनक संगीत - २
हृदयक तार बजबैत अछि धुनि - २
आँहाक आराधना अछि मधुर गीत
जीवन सँ आँहाक महिमा होअय
यैह हम आब कामना करी ।
पाप क्षमा करु, जीवन दिय
दायाक याचना करी - २
अहींक अराधना ...

२. सृष्टिक हर एक कण-कण मे
भरल अछि अहींक महिमाक राज्य - २

चिड़ईयो सभ करैत अछि अहींक प्रशंसा - २
सदिखन सुनबैत अछि जीवनक राग
हमरो भक्ति अहींक लेल होअय
हृदय सँ कामना करी ।

पाप क्षमा करु, जीवन दिय
दयाक याचना करी - २
अहींक आराधना ...

□□□

(८८)

जागैत रहु, करु प्रार्थना

श्रीनारायण जोसेफ

को– जागैत रहु, करु प्रार्थाना - २

१. स्तुति हो, स्तूति हो यीशु राजा कैं – २ जागैत... - २

२. धन्य हो, धन्य हो यीशु राजा कैं - २ जागैत... -२

३. होसन्ना, होसन्ना यीशु राजा कैं - २ जागैत... - २

□□□

(८९)

श्रीनारायण जोसेफ

नहि करु भाइ मन–मानी यौ

नहि करु भाइ मन–मानी यौ–
एक दिन जग सँ जाए पड़त - २

१. सुन्दर शरीर पर नहि ध्यान लगाउ - २
मनमे प्रभुजीक प्रेम बसाउ - २
आत्माक सुनु अहाँ बाणी यौ – एक दिन जग सँ...

२. झूठक कमाइ सँ भरु नहि खजाना -२
होयब बदनाम – व्याकुल होयत मन - २
चारि दिनक दाना–पानी यौ – एक दिन जग सँ...

३. यीशु चरणमे ध्यान लगाउ - २
भक्ति भजन कऽ कऽ जीवन बिताउ - २
सत्य जानि बनु अहाँ ज्ञानी यौ – एक दिन जग सँ...

□□□

(९०)

मनवारे हो, हो, हो, हो

को– मनवारे हो, हो, हो, हो
करलने तनके भावना
चार दिनके जिन्दगानी मे, मौका न फिर मिलेला - २

१. बाइबलके वचन सुनावा, सुनके तुम मनन करवा - २
चार दिनके जिन्दगानीमे, मौका न फिर मिलेला - २

२. शैतान जब डोर फेकेला , वचन से डोर काटेला - २
चार दिन... मनवारे...२

३. यीशु जब क्रूस चढेला, हमनी के पाप धोएला - २
चार दिन के जिन्दगानीमे, मौका न फिर मिलेला - २

□□□

(९१)

अइली सरनीया तोहार हो

अइली सरनीया तोहार हो प्रभु यीशु फेरन नजरिया । २

१ जन्म न लिहत तु हुँ महल अटरिया २
पापीनके उपरा फेरन नजरीया
अइली जगके करे उदार हो प्रभु यीशु फेरन नजरीया २

२ पानीके उपरा चलिके देखावल २
चेलनके नैया प्रभु छनमे बचबल
माने कहना आँधी तुफान हो प्रभु यीशु .....

३ मुर्ख ग्वारके रहिया बताबेल २
करे अभिमान उनके निचबे गिरावलेल
कहि गइले दाउद, सुलेमान हो प्रभु यीशु ...

□□□

(९२)

प्रभु यीशु के भजन

को– प्रभु यीशु के भजन कर न कलजोर
बिना हो भजन से मुक्ति न हो तो तोर - २

१. प्रभु–प्रभु कहि के तालिया लगावा
दिलवामे यीशु ख्रीष्ट के मन्दिर बनाबा - २
मन्दिरमे पुजा होइत छै बड़ा जोर - २
बिना हो भजनसे - २

२. सुखवा रहे तो प्रभु यादो नहि आबे
दुःखवा रहे तो प्रभु जी अपने से आबे - २
दुःखवा मे परे काहै नैना से झारीछा लोर - २
विना हो भजन से मुक्ति न हो तो तोर

३. आई बुढ़ापा एक दिन रही न जवानी
कहाँ तक ले कहियो भैया यीशु के कहानी
दुःखवा काहे नैना से झारीछा लोर - २
बिना हो भजन से ...

□□□

(९३)

यीशु छथि भगवान

को– यीशु छथि भगवान यौ बौवा, यीशु छथि भगवान - २
हुनकर महिमा सब केओ गाउ, ओ छथि बड्ड महान - २

१. यीशु सभ सँ बात करैत छथि, हुनका लग सभ आउ - २
हुनकर बातमे प्रेम भरल अछि, सभ केओ ई पतिआउ - २
यीशु छथि भगवान ...

२. मानव के दुःख देखि ने सकलाह, ओ अयलाह धरती पर - २
सभक पाप के भार उठाकऽ, प्राण देलैन ओ क्रूसपर - २
पापी सभक मुक्ति लेल ओ, स्वयं भेला बलिदान
यीशु छथि भगवान ...

३. संग अपन वो रखता सभके, स्वर्गीय नगरिक घरमे - २
जे के र हुनकल बाट पर चलता, लऽ जयता ओ स्वर्ग मे- २
हुनक प्रेमक अछि ई बखान, एहि सँ होयत सभक कल्याण
यीशु छथि भगवान...

□□□

(९४)

भोरे-भोरे स्तुति बलि

भोरे-भोरे स्तुति बलि अब्बा पिता आँहा कैँ देब
आराधना स्तुति बलि अब्बा पिता आँहा कैँ देब

१. एवेनेजेर –२ अखनि धरि सम्हालनि
अखनि धैरि सम्हालनि (एवेनेजर–२)

२. एल-शद्दाइ –२ शर्वशक्तिमान
सर्वशक्तिमान , (एल-शद्दाइ –२)

३. एल-रोइ –२ हमरा पर नजर
हमरा पर नजर, (एल-रोइ –२)

४. यहोवा यीरे पुर्ति करय हमरा
पुर्ति करय हमरा, (यहोवा यीरे -२)

□□□

(९५)

विजय साह

मत करु इन्कार यौ

मत करु इन्कार यौ भैया हमर –२
यीशु करु स्वीकार यौ भैया हमर –२

१. यीशु अयलन्हि दुनिया बचाबऽ
स्वर्गक राज आ बाट देखाबऽ

२. यीशु छथि अंगुर कैँ लत्ती
हुनके मे अहाँ फलवन्त होयब

३. यीशु छथि स्वर्गक रोटी
खाउ हुनका पाएब तृप्ति

४. यीशु छथि असल चरबाहा
ओ कहियो नहि भुखल रखता

५. यीशु छथि सत मार्ग आ जीवन
मार्ग देखौता ओ निमन निमन

६. यीशु छथि जीवन कैँ ज्योति
चलब अन्हारमे नहि चाही ज्योति

७. यीशु छथि सुन्दर द्वारि
जखनि मन होत खोलब केबारि

८. यीशु छथि पुनरुत्थान आ जीवन
विश्वास करु पाएब नया जीवन

(९६)

विवाहक गीत

धन्यवाद प्रभु यीशु

धन्यवाद प्रभु यीशु धन्यवाद कहै छी प्रभु अहाँ कैं
धन्यवाद दै छी प्रभु मिला देलौं जोड़ी दुल्हा-दुल्हिन कैं

१. आदिमे सृष्टि कयलन्हि आकाश, पृथ्वी सभचीज यीशु ओइमे कैं
सभ कैं मिलल अपन जोड़ी आदम पैयलक हव्वा प्यारी दुल्ही कैं

२. कतेक मनोहर ई वर आ वधु बान्हल गेल एक जीवनमे
मौका देलौं प्रभु अहाँ प्रार्थना कऽ आशीष माँगब हुनका लेल

३. रहैत कुशल दुनु कोइ प्रेम आ शान्ती जीवनमे सदा रहैक
रहैक दुनू एकैं प्रभु जीवीत जाधैर पृथ्वी पर रहतैन

४. सेवामे समर्पित होइ यीशुकैं नाम उचा होइ एही जीवनस
महिमा प्रकट होइ यीशु कैं यइ सामाजमे हिनका सभकैं जीवन सँ

□□□

(९७)

ज्योति संसार कैं

१. ज्योति संसार कैं अन्हारमे जे अली,
खुलल आँखि देखैय अछि
सुन्दर बनौली प्रशंसा करैला,
जीवन कैं आश करब अहिमे

को– करब आराधना, करब उपासना
कहब प्रभु जी अहीं छी, आँहा कते प्रिय
अहाँ कते सुन्दर, हमरा लेल निमन अहिछी

२. राजा सभदिनके बहुत उपर काइलगेल
महिमित उपर स्वर्गमे
दीनवनी अलन्ह प्रभु संसार जे बनौलैन्ह
प्रेमक खातीर भेलैन दीन
हमे नहि मालुम कते मोल
हमरा पापके देला क्रूसपर ३

□□□

(९८)

प्रभु भोजक गीत

परमेश्वर यीशु प्रभु

को– परमेश्वर यीशु प्रभु, हमरा लेल जीवन देलाह
हम पापी कैं नहि छल जीवन, हमरा जीवन देबऽ यीशु मरलाह - २

१. गेत्समनी बागमे,
छल वेदना भयंकर अहाँपर
संघर्ष केलौं, दुःख भोगलौं,
पिता के इच्छा पूरा करऽ आँहा सोपली २

२. कैयाफा के दरबारमे
यीशु राजा अहाँके लगेल
अहाँक गालपर हाथलक
थप्पर थप्पर मारि ओसभ मजाक कैलक २

३. पिलातुस कहल ओ पुरुष छल,
मारलेल आँहापर क्रूसपर ददेलक
मुकुट लगा काटा कैं,
बहुत गोटे बहुत दुःख देलक अहाँके २

४. भयंकर बेदना रहे अहाँपर,
ताहिपर भारी क्रूस धदेलक
खप्पर कहल पहाड़ पर ठाम,
अज्ञानी यहूदी मुर्ख अहाँके लगेल २

५. पवित्र हाथ पाउमे,
हथोडी लऽ कऽ काँटी ठोकलक यौ
दुनु कात क्रूसपर चोर रहे यौ,
दुनु कोइ कैँ बीचमे प्रभु आँहा मरली यौ २

६. पियासे आँहा पानी मगली यौ,
पानी नै नहि दऽ ओ सब सिरका देलक यौ
बाडीक वस्त्रके चिठ्ठा लगौलक,
कोखमे भाला मारलक खुन बहल यौ २

७. मरि कऽ आँहा छुटकारा देली
नरक सँ आँहा बचौली
अहाँके महिमा हम खोजब यौ,
जीवन व्यतीत करलेल अनुग्रह दियौ २

□□□

(९९)

यीशु अहाँक नाम

यीशु अहाँक नाम सभ सँ बढ़ि कऽ अछि २

१. जै नाममे अछि मुक्ति जै नाममे अछि शक्ति
जै नाममे अछि शान्ति देय ओ नाम चंगाइ

को– जै नाममे अऽजीन्दगी यीशु अऽओ नाम
जैनाममे अइ बन्दगी यीशु छथि ओ नाम यीशु अहाँक ...

२. बिमारी सँ गरीबी सँ श्राप सँ सेहो छोड़ाबय
ओ नाम अछि जे अन्धाके रोशनी देखाबैय जै नाममे ...

(१००)

यीशुजी हमरा छोड़ौने छथि

१. यीशुजी हमरा छोड़ौने छथि, पाप कैं जाल सँ
यीशुजी हमरा बचौने छथि, शैतानके चाल सँ
तऽ गाउ हल्लेलुयाह -४

२. हमसभ शान्ति पौने छी, यीशु कैं नाम सँ
हमसभ पौने छी क्षमा, मुक्ति, श्राप सँ
तऽ गाउ हल्लेलुयाह -४

३. आब तऽ हम डेरायब नहि, यीशु जी साथ छथि
शैतान सँ हम लड़ब आब, यीशु के नाम सँ
तऽ गाउ हल्लेलुयाह -४

४. शालोम शान्ति आ सलाम, लौने छथि यीशु कैं नाम
शालोम शान्ति आ सलाम, यी अछि यीशुक पैगाम
तऽ गाउ हल्लेलुयाह -४

□□□

(१०१)

आवाज उठायब हम

को: आवाज उठायब हम, साज बजायब हम
छथि यीशु महान अपन ई गीत सुनायब हम

१. नहि देख सकल हमरा, ओहि पाप कैँ सागरमे
बनि कऽ मनुष्य अयलाह, आकाश सँ सागरमे
मुक्ति कैँ ओ दाता छथि, हम सभ कैँ बतायब यौ
छथि यीशु महान अपन, ई गीत सुनायब यौ

२. संसार कैँ सुन्दरतामे ई रुप जे अहाँक अछि
अहि चाँद सितारामे महिमा अहींक अछि
महिमाक अहाँक ई बात, दुनिया कैँ बतायब यौ
छथि यीशु महान अपन, ई गीत सुनायब यौ

३. दिल अहाँ के मन्दिर अछि, एक सच्चा मुहब्बत के
मालुम नहि केकरो भेल , सागर छि अहाँ कूपाके
हम अहींक प्रेम लऽ कऽ दिल अपन सजायब यौ
छथि यीशु महान अपन ई गीत सुनायब यौ

□□□

(१०२)

हमर गीत कैँ विषय

हमर गीत कैँ विषय, अहीं हमर आराधना
अहाँ कैँ महिमा हमरा सँ होइ प्रभु हमर यैह कामना
हमर गीत कैँ विषय...

१. जहिया सँ प्रभु हमरा जीवन मे अहाँ कैँ पौने छी
अहीं कैँ प्रेमक खातिर प्रभु शिर झुकौने छी
अहाँ कैँ महिमा गाबक लेल जे साज उठेलौं हम
गीत नया जीवनमे हमर तहिए सँ आबि गेल
जीवन कैँ हरपल आब हमर अहि हमरा थामिलु
अहाँ कैँ महिमा हमरा सँ होइ प्रभु हमर यैह कामना

२. अहाँ कैँ वचन मार्ग मे हमरा दिपसन जलैय यौ
हमर जीवनक हर बात आब अहि पर धरब यौ
अहाँ कैँ वचन द्वारा हमरा साहस मिलय यौ
ओ कहियो नहि भट्कत जे अहि मार्ग पर चलय यौ
अहाँक वचन के थम्ने रहब, हमर यैह साधना
अहाँ कैँ महिमा हमरा सँ होइ प्रभु हमर यैह कामना

□□□

(१०३)

शोभालाल यादव

किछु ना रहत

कोः किछु ना रहत हो किछु ना मिलत
खालि-खालि दुनियाँ अछि -२
देखवला चीज सभ नाशवान अछि
प्रभु कैँ वचन सिर्फ सच्चा अछि २

१. देखू एनी सोचू कनी सूली कैँ कहानी
देलखिन जान, देलखिन प्राण -२
लोर कैँ संग हँसि-हँसि के
प्रभु कैँ वचन सिर्फ सच्चा अछि -२

२. देखभाल आब हमर करता प्रभु यीशु -२
जीवन भरि आ जीवनक बाद -२
केहन योजना प्यार यीशु कैँ हो
प्रभु कैँ वचन सिर्फ सच्चा अछि -२

□□□

(१०४)

लक्ष्मण मण्डल

हम छी निर्बल दुखिया

हम छी निर्बल दुखिया प्रभु, नै अछि कोइ सहारा यौ -२
अएलौं प्रभु हम अहींक शरणमे, दिय हमरा सहारा यौ -२

१. एहि दुनिया के सृजनहार यौ प्रभु
सुनिलिय हमर विनती यौ २ हम छी...

२. पाप सँ भरल हमर मन
दिअ नयाँ जीवन यौ हम छी...

३. बहैत आँखि सँ लोर यौ प्रभु
क्रूस धावल मन यौ -२ हम छी...

□□□

(१०५)

लक्ष्मण मण्डल

आबि स्वर्गदूत कहलैन

कोः आबि स्वर्गदूत कहलैन मरियम सँ, हो ... २
सुनु एकटा बात -२
प्रभु चुनलैन एकटा बात प्रभु चुनलैन एकटा बात -२

१. आनन्द मनाउ खुशी मनाउ, कृपा आँहापर कैलन २
प्रभु के दया आँहापर छै, प्रसन्न अहाँ सँ भेलैन २
मरियम सुनु एकटा बात २

२. सुनु मरियम आँहा होइब गर्भवती,
जन्म देव पुत्र कैँ ४ हुनकर यीशु नाम राखिदेब २

३. यैह कथन सँ मरियम गेली बहुत, घबराइ २
मने-मने जे सोच लगली २ केहन कहैत छथि बात २
प्रभु सुनलैन ...

४. यी कोना होइत कहू स्वर्गदूत कारण हम छी कुमारि ४
पवित्र आत्मा उतरता आँहापर २
प्रभुक पुत्र कहौता २ मरियम सुनु ...

□□□

(१०६)

रामकुमार यादव

अहीं पर आस लागल अछि हमरा

अहीं पर आस लागल अछि हमरा
सुनियौ यीशु महान यौ
अहाँ संगति लेल हम सहब सब अपमान यौ ।

१ हम सब छलौं पाप के मारल
केओ नहि देलैन स्थान यौ – २
क्रूस पर चबढ़ि पापी के खातिर – २
यीशु भेलाह बलिदान यौ । अहाँ संगति लेल ...

२ कोढ़ी कैं अहाँ काया देलियै
आन्हर कैं देलियै आँखि यौ – २
नाँगड़ा कैं अहाँ टाँग देलियै – २
बहीरा कैं देलियै कान यौ अहाँ संगति लेल ...

३ स्वर्ग छोड़ि अहाँ दुनिया मे अयलियै
सभक बचौलियै प्राण यौ - २
सुली पर चबढ़ि अहाँ जीवन देलियै – २
मुर्दा मे देलियै प्राण यौ अहाँ संगति लेल ...

□□□

(१०७)

हमर यीशु मसीह

१ हमर यीशु मसीह जहिया दुनिया मे छलाह
ओ बढ़ियाँ-बढ़ियाँ काज कयलन्हि
कहियो भीड़ कैँ खुऔलन्हि
कहियो मुर्दा कैँ जिऔलन्हि
और रोगी कैँ स्वस्थ कयलन्हि
अजयजयकार – २ यीशु कैँ जयजयकार ।

२ भीड़ छल पाँच हजारक
चेला सभ छल अवाक
ओकरा सभ कैँ सुझल नहि कोनो उपाय
एकटा छौड़ा ओतऽ आयल
पाँच रोटी और माछो लायल
यीशु देलन्हि ओहि भीड़ कैँ खुआ ।
जयजयकार – २ यीशु कैँ जयजयकार ।

३ कब्बरी छल चारि दिन सँ बन्द
अबैत छल ओहि मे सँ गन्ध
लोक सभ कैँ नहि छल कोनो विश्वास
जखने यीशु बजौलथिन्ह
लाजर बाहर निकलि अयलन्हि
यीशु देलन्हि लाजर कैँ जीआ ।
जयजयकार – २ यीशु कैँ जयजयकार ।

(१०८)

जय जय प्रभु यीशु कैँ

जय जय प्रभु यीशु कैँ – २
सभ कैँ बचाबऽ, अयलाह जगत में
हुनकर स्तुति करु ।
हा ... हा ... हा ... हालेलुयाह आमेन

१ सोणितक धारऽ बहैत सुली सँ
जाहि मे धोआयल सभ पाप
धो लिअ अहाँ अपन हृदय कैँ
ओहि मे नहि राखु दाग ।

२ ग्रहण करु अहाँ आइ यीशु कैँ
प्रेमक बहैत अछि धार
हुनका बना लिअ खेवनहारा
नाव लगा लिअ पार ।

३ लौटि कऽ अबैत छथि हमर प्रभु जी
लऽ जयताह ओ संग
आशा हमरो आब तँ यैह अछि
चलू अहूँ हमरे संग ।

४ सदिखन हेबन्हि संग यीशु कैँ
खुशी, शान्ति, आराम
अबैत छथि ओ लेबऽ अपन लोक कैँ
रहु अहूँ तैयार ।

□□□

(१०९)

खुशी खुशी मनाउ

खुशी खुशी मनाउ,
खुशी खुशी मनाउ – २
बाजू बाजू मसीहा कैँ जय जय जय – २

हमरा लेल अयलाह, हमरा लेल जीलाह – २
हमरा लेल यीशु दुःख उठौलन्हि – २
हमरा लेल मारल गेलाह, हमर छथि मसीह – २
हमरा लेल फेर जीबित भेलाह, हमर छथि मसीह – २
हम मसीहक छियन्हि – हम सभ मसीहक छी

खुशी खुशी मनाउ ..... – २

□□□

(११०)

हा ... हा ... हालेलुयाह सभ मिलि गाबी

हा ... हा ... हालेलुयाह सभ मिलि गाबी
भजन प्रभुजी कैँ – २
१ ओ राजा सभक छथि राजा
हुनका चरण मे अबियौन आइ – २
हुनकर स्तुति करियौन, हुनकर महिमा गबियौन – २
तन, मन, धनक संग हुनका भजियौन ।

२ प्रभु यीशु संसार अयलाह
सभक पापक भार उठौलाह – २
हुनकर विश्वास करियौन, हुनकर शरण परियौन – २
भेटत मुक्ति दान हमरा सभ कैँऽ आउ ।

३ सभ जातिक लोक सभ आउ
प्रभु यीशुक गुण गाउ २
ओ पापी मन मे पूरा शान्ति भरैत छथि - २
ओ पापी मन मे पूरा शान्ति भरैत छथि - २
ओ पापी कैँ दैत छथि जीवन ।

□□□

(११२)

यीशु छथि दुनियाँ कैँ राजा

यीशु छथि दुनियाँ कैँ राजा
ओ छथि सभ कैँ बनौने
ओ देने छथि जीवन सभ कैँ
ओ छथि प्रेम सिखौने

१ पाप सँ मुक्ति दियबैत
प्रेमक रास्ता देखबैत
अयलाह लेल खुन बहौलन्हि ।

२ प्राण गमौलन्हि मसीह
हम सभ पापी कैँ बदला मे
तैयो देलन्हि हमरा सभ कैँ
नया जीवन तथा मुक्ति
धन्यवाद देबन्हि प्रभु कैँ
गबैत रही हुनके महिमा ।

□□□

(११३)

हेयौ सभ लोग

२. हेयौ सभ लोग अहाँ यीशु लग आउ - २
पाप आ अधर्म सँ मनके घुराउ - २
हुनका लहू सँ शुद्ध अहाँ भऽ जायब यौ यीशु अनमोल ...

३. अहाँक उपकार यीशु कखनो नै विसरब
दुःख आ संकट मे जँ हम जायब
सभ दिन अहाँक भजन करब यौ यीशु
अनमोल ...

□□□

(११४)

प्रभुजी अयलहुँ अहाँ कैं शरण मे

प्रभुजी अयलहुँ अहाँ कैं शरण मे -
हमरा लिअ बचा -- यीशुजी अयलहुँ ...

१ छी अज्ञानी अहाँ भक्ति अपन भरि दिअ - २
निर्बल मन मे अहाँ शक्ति अपन भरि दिअ - २
दिअऽ कलेश मेटा, - २ प्रभुजी ...

२ प्रेमक धार प्रभु मन मे बहाउ ने - २
अहंकार-अवगुण जिनगी सँ निकालू ने - २
दिअऽ ज्योति देखा, - २ प्रभुजी ...

□□□

(११५)

सुनि कऽ अरजी औ प्रभु

सुनि कऽ अरजी औ प्रभु करु ने उद्धार औ - २
क्षमा करु पाप सभ - दया अछि अपार औ - २
सुनि कऽ ...

१ अहीं महान प्रभु सर्वशक्तिमान् औ - २
जग मे ने दोसर केओ - अहाँक समान औ - २
सुनि कऽ ...

२ ताना मारैत लाेक कहैत पागल-बेकार औ - २
भार भेल जिनगी मोर - भऽ गेलहुँ लचार औ - २
सुनि कऽ ...

३ विनती करैत छी दिअऽ जिनगी सवारि औ -- २
दया करु हमरा पर - होयल उपकार औ -- २
सुनि कऽ ...

४ दिअऽ अपन ज्ञान यीशु प्राणक अधार औ -- २
करुणा दया कैं अहाँक - करब प्रचार औ -- २
सुनि कऽ ...

□□□

(११६)

आनन्द भेल भाइ

आनन्द भेल भाइ - २, यीशु अयलाह जग में
आनन्द भल भाइ
आनन्द भेल भाइ - आनन्द भल भाइ - आनन्द भेल भाइ
यीशु अयलाह जग मे - आनन्द भेल भाइ - २

१ अन्हार जग मे ज्योति चमकौलन्हि - २
क्षमा दया प्रेम सभ कैँ सिखौलन्हि - २
जीवन लिअऽ भाइ - यीशु अयलाह जग मे ...

२ पुरव दिशा मे चमकल तारा - २
ज्योतिषी सभ कैँ बनल सहारा - २
दर्शन करु भाइ - यीशु अयलाह जग मे ...

३ जय-जयकार करय भूमण्डल - २
स्वर्गदूत सभ गाबय शुभ मङ्गल - २
आशिष लिअऽ भाइ - यीशु अयलाह जग मे ...

□□□

(११७)

भव सागर सँ करु पार

भव सागर सँ करु पार, हमर प्रिय यीशु - २

१ जिनगीक नाव प्रभु - ड़ग-मग डोले औ - २
आबि कऽ रुकल मजधार - हमर प्रिय यीशु - २ भव ...

२ हाथ अछि निर्बल थर-थर कँपैत अछि देह औ - २
आबि कऽ चलाउ पतवार, हमर प्रिय यीशु - २ भव ...

३ माया मोहक तेज धार - ड़रे मोर जीआ औ - २
कऽ कऽ जतन गेलहुँ हारि - हमर प्रिय यीशु - २ भव ...

४ कर जोड़ विनती करी - सुनू मोर अरजिया - २
आबि कऽ लगाउ नाव पार - हमर प्रिय यीशु - २ भव ...

□□□

(११८)

बदलल कोना जीवन यौ

बदलल कोना जीवन औ - बखान सुनू भाइ - २
बखान सुनू भाइ - ३, बदलल ...

१ जक्कइ नामक एक आदमी - छल बड़ा धनवान औ - २
मन मे भरल अशान्ति ओकरा - सुझैक ने कोनो उपाय औ -२
चाहैत छल यीशु-दर्शन औ - बखान सुनू भाइ ...

२ भीड़ मे रहय ओकर कद छोट - चढ़ल गाछक उपर औ - २
अयलाह ओहि बा६ सँ यीशु - नजरि उठौलन्हि उपर औ - २
भऽ गेल यीशुक दर्शन औ - बखान सुनू भाइ ...

३ जक्कइ झट्ट दऽ आउ निचौं - जायब अहाँ भवन मे औ - २
आबि कऽ घर मे धन सभ बँटलक-पाप सँ मन फिरौलक औ-२
अर्पण कयलक तन-मन औ - बखान सुनू भाइ ...

□□□

(११९)

रचलहुँ-रचलहुँ

रचलहुँ-रचलहुँ-रचलहुँ यौ
प्रभु सृष्टि अहाँ कोना रचलहुँ यौ

१ अन्हार धरती पर ज्योति चमकहेलहुँ - २
धरती आकाश आ पताल अलग कयलहुँ- २
जल-नभ-मण्डल बनौलहुँ औ -प्रभु सृष्टि ...

२ धरती पर अन्न-फल मेवा लगौलहुँ - २
आकाश मे सुरज चन्द्रमा बनौलहुँ - २
लाखो-लाख तारा झुलीलहुँ औ - प्रभु सृष्टि ...

३ जल मे भिन्न बहुत जीव बनौलहुँ - २
वन पशु धरती पर सभ रंग सजौलहुँ - २
चिड़ै आकाश मे उडौलहुँ औ - प्रभु सृष्टि ...

४ धरतीक माटि सँ मनुष्य बना कऽ - २
अहाँक ओ महिमा करय - ओकर सिखा कऽ-- २
एक दिन पावन बनौलहुँ औ - प्रभु सृष्टि ...

□□□

(१२०)

क्रूसधारी किएक कहेलहुँ

क्रूसधारी किएक कहेलहुँ - ईश्वरक लालन - २

१ जखन दुश्मनक लोक कैँ पकड़ऽ आयल - २
सन्मुख अहाँ किएक भेलहुँ - ईश्वरक लालन - २ क्रूसधारी ...

२ दुश्मन अहाँ कैँ कतबो सतौलक - २
अहाँ किछु नहि कहलहुँ - ईश्वरक लालन - २ क्रूसधारी ...

३ जखन दुश्मन कोर्रा सँ मारलक - २
अहाँ सराप नहि देलहुँ - ईश्वरक लालन - क्रूसधारी ...

४ जखन दुश्मन हाथ-पयर मे किल्ला ठोकलक - २
ओकरा खातिर विनती कयलहुँ - २ ईश्वरक लालन - २
क्रूसधारी ...

□□□

(१२१)

यीशु जीबि उठलाह

यीशु जीबि उठलाह भोरे रविवार के,
भारी पत्थर टारि कैँ ना - २

१ छल कब्र पर पत्थर भारी - ओहि पर पहरा रहय सरकारी - २
ज्ञान भुलायल सिपाहीक सरदार कैँ - भारी पत्थर ...

२ कब्र पर स्वर्ग सँ दूत आबि - देलन्हि भारी पत्थर टारि - २
यीशु जीबि उठलाह भोरे रविवार कैँ - भारी पत्थर ...

३ मिलि कऽ करु जय-जयकार - पाउ यीशु सँ उद्धार - २
जीवित मालीक छथि वैहे संसार कैँ - भारी पत्थर ...

□□□

(१२२)

नहि करु भाइ मन-मानी औ

नहि करु भाइ मन-मानी औ -
एक दिन जग सँ जाए पड़त - २

१ सुन्दर शरीर पर नहि ध्यान लगाउ - २
मन मे प्रभुजीक प्रेम बसाउ - २
आत्माक सुनू अहाँ वाणी औ - एक दिन जग सँ ...

२ झूठक कमाइ सँ भरु नहि खजाना - २
होयब बदनाम - २ व्याकुल होयत मन - २
चारि दिनक दाना-पानी औ - एक दिन जग सँ ...

३ यीशुक चरण मे ध्यान लगाउ - २
भक्ति भजन कऽ कऽ जीवन बिताउ - २
सत्य जानि बनू अहाँ ज्ञानी औ - एक दिन जग सँ ...

□□□

(१२३)

की करब कौड़ी-कौड़ी

की करब कौड़ी-कौड़ी, पैसा-पैसा जोड़ि कऽ -
एक दिन उड़ जायब - सुगना सभ छोड़ि कऽ - २

१ माय-बाप भाय सभ दूर भऽ जायत - २
कतबो बजायब केओ लग नहि आओत - २
सभ चल जायत दूर, - २
अपन मुँह मोड़ि कऽ -- एक दिन ...

२ एहि सुन्दर जिनगी कैं एहिना बितायब - २
पाप सँ मन जँ अहाँ नहि फिरायब - २
जायब नरक मे जतऽ, - २
कानब सिर फोड़ि कऽ - एक दिन ...

३ माया सँ मन फेरु - बात अहाँ मानि लिअऽ - २
बाट-सत्य-जीवन छथि - यीशु ई जानि लिअ - २
प्रभुक चरण मे आउ, - २
जग सँ नाता तोड़ि कऽ - एक दिन ...

□□□

(१२४)

अपना कैँ लिअऽ अहाँ जानि औ

अपना कैँ लिअऽ अहाँ जानि औ भैया -

अपना कैँ लिअऽ अहाँ जानि - २

१ अयलहुँ कतऽ सँ - जायब कतऽ अहाँ - २

ई दुनू बात लिअऽ जानि औ भैया - अपना कैँ ...

२ जगक माया-मोह कैँ छोडूँ - हृदय मे झाँकि कऽ देखू - २

वाहर झूठक मोज-मज्जा अछि, हृदय मे कष्ट महान् -
औ भैया ...

३ यीशु अहाँ सँ प्रेम कयलन्हि - कनिको ने तकर ध्यान - २

क्रूस पर जा कऽ जान ओ देलन्हि, अहाँ के जीवन दान -
औ भैया ...

४ अनन्त जीवन पयबा खातिर - पाप सँ मन कैँ फेरु - २

अर्पण कऽ कऽ तन-मन-धन सभऽ कऽ लिअऽ यीशुक ध्यान -
औ भैया ...

□□□

(१२६)

यीशुजी कहलैन्ह

यीशुजी कहलैन्ह, साँचे साँच कहै छी,
वचन हमर सुनू - यीशुजी ...

१ जीवन कैँ शुद्ध करऽवाला, बाइबल अहाँ कैँ देलहुँ ।
अन्हार कैँ मिटबैवाला ज्योति अहाँ कैँ देलहुँ ।।
यीशुजी कहैलैन्ह, बाट हमही छी,
एहि पर चलू - यीशुजी ...

२ मन कैँ मैल धोअवाला, वाचा के लहू हम छी,
तड़पैत भूख मेटबऽ वाला, स्वर्गक रोटी हम छी ।।
यीशुजी कहलैन्ह, सत्य हमही छी,
एहि सत्य कैँ जानू - यीशुजी ...

३ मारल हृदय कैँ पाप सँ छोड़ियवाक
आत्मा क दान लिअ ऽ
पवित्र मे स्थिर रहवाक लेल
अभिषेक कऽ दान लिअ ऽ
यीशुजी कहलन्हि, जीवन हमहीं छी,
एहि पर विश्वास करु - यीशुजी ...

□□□

(१२७)

आनन्द खुशी सँ गबियौ

आनन्द खुशी सँ गबियौ महिमा यौ,
प्रभु यीशु मसीह के
यीशु मसीह के, मुक्तिदाता के । आनन्द खुशी ...

१ ओ बुलौला सँ झट औथिन्ह,
सब प्रार्थना विनती सुन्थिन्ह - २
ई त आँखिक आँसु पोछइत छथिन्ह, विपत्ति समय मे ।
आनन्द खुशी ...

२ यीशु ख्रीष्ट जगत् मे अइलन्हि,
सभक पापक भार उठौलन्हि
ओ त हरदम ध्यान रखैत छथि, अहीं के उपर मे ।
आनन्द खुशी ...

□□□

(१२८)

लक्ष्मण मण्डल

जीवनक दीप, जीवनक बाती

जीवनक दीप, जीवनक बाती,जीवनक रोसनी हमरा दिअ
हृदय हमर लऽ नवीन आत्मिक हमरा अहाँ बना दिअ

१ पाप, अधर्म मे डुबल छलहुँ, बहुत नीक योजना बना देलहुँ
एकलौता अपन पुत्र पठा कऽ, मुक्तिक द्वारि खोलि देलहुँ
जीवनक दीप ...

२ अन्तरआत्मा बिन्ति करैत अछि, से अहाँ सुनि लिअ
कलंक हमर धो कऽ अहाँ, मसीही जीवन बना दिअ
जीवनक दीप ...

३ प्रेम और शक्ति सँ हमरा भरु, आशिष सँ भरपुर करु
नब उमंग दऽ कऽ यीशुऽ, हमरा अहाँ उपर करु
जीवनक दीप ...

□□□

कोरसः

(१)

हाल्लेलुयाह स्तुति महिमा

हाल्लेलुयाह स्तुति महिमा सभदिन प्रभु यीशु आँहा के देब - २
हा हाल्लेलुयाह - ३, हा हाल्लेलुयाह - ३

१. क्रूसक बलिदान सँ लहू बहौने छथि - २
पाप के हटा कऽ शुद्ध करा कऽ हमरा बचौने छथि - २

२ हुनकर पुनरुत्थान सँ, अन्नत विजय देने छथि - २
आई आँहा आ हमरा सभ के यैह विजय देबऽ आयल छथि-२

□□□

(२)

धन्य होई प्रभु यीशु के नाम

धन्य होई प्रभु यीशु के नाम, ओ छथि प्रशंसा भक्ति के योग्य
तँ उठाबी एकसाथ अपन हाथ, गबैत धन्य होइ ओ नाम -२
धन्य होइ प्रभु यीशु के नाम

□□□

(३)

जीबैत छथि यीशु जीबैत छथि

जीबैत छथि यीशु जीबैत छथि,
छथि हमरा मनमे यीशु जीबैत छथि
संकट मे हमर सहारा छथि,
यीशु सभदिन लेल जीबैत छथि ।

□□□

(४)

ने तऽ बल सँ, ने शक्ति सँ

ने तऽ बल सँ, ने शक्ति सँ
बस आँहाक आत्मा के द्वारा
ई पहाड़ हटि जायत यौ –३
आँहाक आत्मा के द्वारा
ई अन्हर-बिहारि, रुकि जायत यौ – ३
आँहाक आत्मा के द्वारा

□□□

(५)

स्तुति करै छी पुरे जीवन सँ

स्तुति करै छी पुरे जीवन सँ, स्तुति करै छी पुरे बल सँ
हमर पुरे जीवन सँ, हमर पुरे बल सँ
हमर आसा अछि आँहा मे – २
हमर जीवन अहीं मे अछि, हमर बल अहीं मे अछि
हमर आशा अहीं मे अछि अहीं मे – २

□□□

(६)

एकटा नारी आबि गेलै

को: एकटा नारी आबि गेलै यीशु के महलीया रोबी-रोबी ना
धोए यीशु के चरणिया रोबी-रोबी ना

१. कखनो-कखनो रोए नारी कखनो
हिचकिचाबे से कखनो ना

धोवे यीशु के चरणिया नारी रोइ-रोइ ना एकटा नारी - २

२. एतेक वचन बोले सो सिमोन भैया
कथिला छोएछा नारी यीशुजी के पैया
किएक ना धोइछा यीशु के चरणिया नारी रोइ-रोइ ना

३. जन्म सँ पापी छली सुनु प्रमेश्वर पिता
पाप कैँ क्षमाकरु मुक्ति कैँ विधाता
से मुक्ति लेल ना धोइछी यीशु के चरणिया हम तऽ रोइ-रोइ ना

□□□

(७)

साँझ-भोरे भजियौ

साँझ-भोरे भजियौ भैया अहाँ यीशु के नाम यौ
बिना यीशु के मुक्ति नहि मिलतै आराम यौ

प्रभु यीशु के प्रशंसा करु बाबु भैया माय यौ
बिना यीशु के मुक्ति नै मिलतै आराम यौ

प्रभु यीशु छथि मुक्ति दाता वैह छथि भाग्य विधाता यौ
अपन लहू बहा कऽ हमरा सभक प्राण बचौलक यौ

बिना यीशु के मुक्ति नै मिलतै आराम यौ...
आनन्द मनबियौ खुशी मनबियौ यीशु जी कैँ नाम यौ

दुःख-सुख सभमे साथी मसीह यीशु महान यौ
बिना यीशु के मुक्ति नै मिलतै आराम यौ

□□□

(८)

पापी छलौं निराश छलौं

को– पापी छलौं निराश छलौं , जीवन उदास छलौं २
किया हो प्रभु, हमर जीवन कोना जायत की - २

१. जीवन सुधारऽ ला प्रभु यीशु मसीह अयला - २
पापके मेटाबऽ ला प्रभु, कलवरी क्रूस पर चढ़ला - २
किया हो प्रभु, क्रूस के दुःखवा कोना सहलौ २

२. पापी कैँ बचाबऽला प्रभु पवित्र लहू बहौला - २
पापीके धोला प्रभु, कोरा कैँ चोट सहला - २
किया हो प्रभु, पापी कैँ जीवन कोना जायत की - २

३. पाप गेलै श्राप मेटलै, जीवन सुधैरिए गेलै - २
किया हो प्रभु, हमर जीवन शान्ति सँ बितैत अछि - २

□□□

(९)

यीशु मसीह कैँ स्तुति करियौ

कोः यीशु मसीह कैँ स्तुति करियौ
पवित्र परमेश्वर बजौने छथि – ४

१. पवित्र वचन स्वर्ग सँ आयल - २
पवित्र वचन निभाबै कैँ खातिर - २
स्वर्ग कैँ वचन निभाबै कैँ खातिर - २
पवित्र आत्मा पठैने ये यौ, यीशु मसीह कैँ पठौने यौ

२. इश्वर कैँ वचन स्वर्ग सँ आयल - २
इश्वर कैँ वचन निभाबै के खातिर - २
पवित्र लहु बहौने य यौ, पवित्र लहू बहौने छथि

□□□

(१०)

हो यीशु के दर्शन लेल

कोः हो यीशु के दर्शन लेल - २
काया सुखी गेल (हमर प्रभु कहाँ गेल) - २

१. कोही मागे अन धन, कोही मागे पुत्र - २
कोही मागे निर्मल काया - २
देखेला स्वरुप , हमर प्रभु कहाँ गेल

२. निर्धन मागे अन धन, बाँझीन मागे पुत्र - २
हो कोबढ़िया मागे निर्मल काया - २
देखेला स्वरुप, हमर प्रभु कहाँ गेल

□□□

(११)

हो यीशु काहे न तकेछा

को– हो यीशु काहे न तकेछा अखिया खोलि कैँ ना
सुन्दर मन सँ बोलि कऽ ना - २

१. हम सब अहाँ के चरण मे अइली,
हमसभ अहाँ कैँ भजन गैली - २

२. प्रेमी भरल चारो ओर मचाबे दर्शन लेल सोर - २
प्रभु हम खोजब दिन-राति भोर
कैँ सुन्दर मुख से बोइल कैँ ना
हो प्रभु काहे ना तकेछा अखीया खोलि कैँ ना

□□□

भजन सूचि

1. अइली सरनीया तोहार हो ८४
2. अनमोल जीनगी दऽ देलीयै यौ यीशु ३३
3. अपना कँ लिअऽ अहाँ ११४
4. अबियौ यौ... भाइ – बहिन ६८
5. अहीं पर आस लागल ९८
6. अहींक अराधना करी ८०
7. आईल मरियम के गोदमे ४२
8. आजुक नवदिन करैत छी १५
9. आनन्द खुशी सँ गबियौ ११६
10. आनन्द भेल भाइ १०६
11. आनन्द मनाउ, सभ ४६
12. आबि स्वर्गदूत कहलैन ९७
13. आय करु यीशु गान ३५
14. आय करु यीशु गान ५४
15. आराधना – ३ करु सभ मिली कऽ ५३
16. आराधना करु यीशु मसीह के २७
17. आराधना हो बे आराधना ६३
18. आवाज उठायब हम ९३
19. एक दिन जयबै यीशु घरमे ६२
20. एक दिन जेबै यीशु संगे ६५
21. एकटा नारी आबि गेलै १२०

22. एहन सुन्दर नहि कोनो नाम २१
23. कतेक महान हमर यीशु जी ५५
24. करु प्रशंसा गाउ भजन ७३
25. कि करबै दुनिया सँ पिरितीया ३६
26. किछु ना रहत ९५
27. की करब कौडी-कौडी ११३
28. केमरिया खोल ए यीशु ७६
29. क्रूसधारी किएक कहेलहुँ ११०
30. खुशी खुशी मनाउ १०१
31. गुरु भऽ के अहाँ के हम ३८
32. गे बहिना प्रभु नगरिया १६
33. छुटि जायत माइ बाप २०
34. छोडू ओ मिथ्या रीत यौ – बन्दे ५१
35. जंगल झाड़ी मे ७९
36. जय जय प्रभु यीशु कँ १००
37. जागैत रहु, करु प्रार्थना ८२
38. जीबैत छथि यीशु जीबैत ११९
39. जीवनक दीप, जीवनक ११७
40. ज्योति संसार कँ ८९
41. झुमु नाचु, गाउ नाचु २६
42. तोहरे पर कैले छी भरोसा ८०
43. दऽ देलिए ६६

44. दया प्रेम के बढ़ा के ४२
45. दशेटा नियम छै, नियम दशेटा ५०
46. दान भजन में लागु हे बहिना २६
47. दिन राति अहाँके दर्शन २०
48. दुनिया मे अयलाह ६१
49. देखियौ यीशु के महिमा ३०
50. धन्य होई प्रभु यीशु के नाम ११६
51. धन्यवाद प्रभु यीशु ८८
52. नहि करु भाइ मन-मानी औ ११२
53. नहि करु भाइ मन–मानी यौ ८२
54. नाचु गाउ -३ यीशु कें नाम सँ २८
55. ने तऽ बल सँ ने शक्ति सँ १२०
56. परमेश्वर यीशु प्रभु ६०
57. पागल कहेला ना रे लोगवा १७
58. पाप सँ भरल जीवन ४७
59. पापी छलौं निराश छलौं १२२
60. प्रभु आँहाके स्तुति करैछी ७५
61. प्रभु के भजन स्वर्ग से आएल ७७
62. प्रभु यीशु के भजन ८४
63. प्रभु यीशु छै महान गे बहिना १६
64. प्रभु यौ धरतीके माटि से ३४
65. प्रभुजी अयलहुँ अहाँ कें १०४

66. प्रभुजी महिमा तोहार बा ७७
67. बचबियौ– बचबियौ यौ प्रभु जी ३७
68. बचबियौ यौ यीशु जी ५७
69. बदलल कोना जीवन यौ १०८
70. बर रे जतन सँ हम यीशु १८
71. भव सागर सँ करु पार १०७
72. भेल मगन मन मोर ५२
73. भोरे-भोरे स्तुति बलि ८६
74. मत करु इन्कार यौ ८७
75. मनवारे हो, हो, हो, हो ८३
76. महिमा – महिमा यीशु के महिमा ३१
77. माताजी यौ, पिताजी यौ ४०
78. यीशु अएला गाम ६६
79. यीशु (यौ) कोना–कोना कऽ १४
80. यीशु अहाँक नाम ६१
81. यीशु अहींक शरण मे ८
82. यीशु आँहा बिनु हम ६६
83. यीशु करय छथि उद्धार यौ आबु ३४
84. यीशु के महिमा ५६
85. यीशु छथि दुनियाँ केँ राजा १०४
86. यीशु छथि भगवान ८५
87. यीशु जन्मल मुक्ति देवला १३

88. यीशु जी कहलन्हि ५६
89. यीशु जीबि उठलाह १११
90. यीशु नेहाय हो प्रभु नेहाय हो ७८
91. यीशु मसीह के स्तुति करियौ १२३
92. यीशु मसीह परमेश्वर के १७
93. यीशु मसीह सँ बढ़ि कऽ ३२
94. यीशु हे यौ यीशु ५८
95. यीशुजी कहलैन्ह ११५
96. यीशुजी हमरा छोड़ौने छथि ९२
97. रचलहुँ-रचलहुँ १०९
98. लागलै भ्रम के हावा ३०
99. वन्दना करैछी, वन्दना करैछी ४८
100. विनती करैछी यीशु ६१
101. सब विश्वासी मिलि कऽ १२
102. सबमे प्रभु के रुप तु देखऽ २३
103. सबहक सुधि अहाँ लय छी २५
104. सभ मिली प्रभुके गुन गाउ यौ ७१
105. सभसँ छी अपने महान यौ यीशु ७४
106. साँझ भोरे भजियौ १२१
107. सुन हे परदेशी भाइ ४३
108. सुन हो भैया सुनहे बहिना २४
109. सुनि कऽ अरजी औ प्रभु १०५

110.	सुनि लिअ प्रभुजी	३६
111.	सुनु भाइ बहिन इ मधुर वचन	६७
112.	सुनु यौ भाइ सुनु यौ बहिनीयाँ	३२
113.	सुनु यौ भैया सुनु यौ बहिनीयाँ	२२
114.	सुनु हमर इ दुःखरा प्रभु जी	२५
115.	सुन्नारे तन दिअ	७०
116.	स्तुति करैछी पूरे जीवन सँ १२०	
117.	स्वर्ग सँ आह्वान कैलक	१०
118.	स्वर्गमे सोचेला परमेश्वर हो	४४
119.	हम अपराधी, पाप के चलते	४१
120.	हम छी निर्बल दुखिया ६६	
121.	हमर गीत कैँ विषय ६४	
122.	हमर अवगुण प्रभु अहाँ	२२
123.	हमर यीशु मसीह जहिया ६६	
124.	हमरा भटकल के	६
125.	हा हालेलुयाह ... हा ... १०२	
126.	हालेलुयाह स्तुति महिमा ११८	
127.	हे परमेश्वर, हे यीशु राजा	४६
128.	हे पवित्र आत्मा	६०
129.	हे पवित्र आत्मा, हमरा मन मे समाउ	४५
130.	हे पिता, अपन नामक महिमा करियौ	७०
131.	हे प्रभु जगत स्वर्ग के करैछी	७२

132.	हे प्रभु यीशु परमपिता	७५
133.	हे यौ - २ बौवा सुनु	७३
134.	हे यौ मिथिलाक लोक	६४
135.	हे यौ सभ लोग	१०३
136.	हो यीशु काहे ना ताकेछा	१२५
137.	हो यीशु के दर्शन लेल	१२४